mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-305 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
06 नवंबर 2024 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

घर पर 3-0 से ..

@ पेज 7

शरद पवार का चुनावी राजनीति से संन्यास का संकेत, खेला कार्ड

बोले-कहीं तो रुकना पड़ेगा, अब चुनाव नहीं लड़ूंगा, नए लोगों को चुनकर आना चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के संकेत दिए हैं। पवार ने कहा है कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, हालांकि पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। यानी एनसीपी (शरद) चीफ के पद पर काम करते रहेंगे। 84 साल के शरद पवार ने बारामती में मंगलवार को कहा, कहीं तो रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि राज्यसभा जाना है या नहीं। 1960 में शरद पवार ने राजनीतिक करियर की शुरुआत की 1960 में शरद पवार ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की।

ए-अर्नब से जेड-जुबैर तक को दी जमानत, यही मेरी फिलॉसफी

सीजेआई बोले-न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब सरकार के खिलाफ फैसला सुनाना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी मामले का अच्छा या बुरा जैसा मीडिया में दिखाया जाता है उससे काफी अलग हो सकता है। मैंने ए से लेकर जेड (अर्नब गोस्वामी से लेकर जुबैर तक) को जमानत दी है।

यही मेरी फिलॉसफी है। जमानत नियम है और जेल अपवाद है, इस सिद्धांत का मुख्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। सीजेआई ने सोमवार को इंडियन एक्सप्रेस के इवेंट में कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसला

सुनाना नहीं होता लेकिन कुछ प्रेशर ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का यूज करके अदालतों पर दबाव डालकर अपने पक्ष में फैसला पाने की कोशिश कर रहे हैं। अदालतों पर दबाव डालते हैं प्रेशर ग्रुप उन्होंने कहा कि हमारा समाज बदल गया है। खासकर सोशल मीडिया के आने से इंटरेस्ट ग्रुप, प्रेशर ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का यूज करके अदालतों पर उनके पक्ष में फैसला लेने के लिए दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं। सीजेआई ने कहा कि अगर जज इन प्रेशर ग्रुप के पक्ष में फैसला देते हैं तो ये ग्रुप न्यायपालिका को स्वतंत्र कहते हैं। अगर जज ऐसा नहीं करते हैं तो न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं हैं। इसी बात पर मेरी आपत्ति है।

संक्षिप्त समाचार

रीजनल रूरल बैंकों के मर्जर की तैयारी में सरकार

43 से घटकर रह जाएंगे 28

हरेक राज्य में केवल एक बैंक रखने का है प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार की नजर अब क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों पर है। देश में अभी 43 ग्रामीण बैंक हैं। सरकार उनकी संख्या 28 करना चाहती है। इसके लिए कुछ बैंकों का दूसरे बैंकों में मर्जर करने का प्लान है। इससे इन बैंकों को लागत कम करने और कैपिटल बेस बढ़ाने में मदद मिलेगी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने इस बारे में एक दस्तावेज तैयार किया है। इसमें ग्रामीण बैंकों के मर्जर का प्रस्ताव है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक छोटे किसानों, कृषि मजदूरों और छोटे कारोबारियों को क्रेडिट देते हैं लेकिन उनकी

पूंजी और टेक्नोलॉजी तक पर्याप्त पहुंच नहीं है। 31 मार्च, 2024 तक के आंकड़ों के मुताबिक इन बैंकों के पास कुल 6.6 लाख करोड़ रुपये जमा थे जबकि उनका एडवांस 4.7 लाख करोड़ रुपये का था। एक बैंकर ने कहा कि प्रस्तावित मर्जर के बाद एक राज्य में एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रह जाएगा। इस बारे में वित्त मंत्रालय ने ईमेल का जवाब नहीं दिया। एसेट्स के हिसाब से देश में अब भी आधे से अधिक बैंकिंग सेक्टर पर सरकारी बैंकों को कब्जा है।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

वन नेशन-वन इलेक्शन

वक्फ विधेयक बिल पेश हो सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा का पहला शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा। यह जानकारी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को दी। सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इसमें वन नेशन-वन इलेक्शन और वक्फ विधेयक समेत कई बिल पेश होने के आसार हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है। 18वीं लोकसभा का पहला मानसून सत्र 22

जुलाई से 9 अगस्त तक चला था। पूरे सत्र में कुल 15 बैठकें हुईं, जो लगभग 115 घंटे तक चलीं थी। सत्र के दौरान सदन की प्रोडक्टिविटी 136 फीसदी रही। इसी सत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को सदन में केंद्रीय बजट 2024-2025 पेश किया। इस पर कुल 27 घंटे और 19 मिनट तक चर्चा चली, जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया। सत्र में कुल 65 प्राइवेट मेम्बर बिल भी पेश किए गए थे। इसके अलावा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि, इस सत्र के दौरान देश के कई हिस्सों में आए लैंडस्लाइड, बाढ़ और जान-माल के नुकसान पर भी चर्चा हुई।

देश का इतिहास गवाह है जब भी बंटे हैं, निर्ममता से कटे हैं

झारखंड में सीएम योगी बोले- पहले औरंगजेब ने लूटा, अब झारखंड को आलमगीर आलम लूट रहे

रांची (एजेंसी)। 'गेटवे ऑफ झारखंड' के नाम से मशहूर कोडरमा से यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उन्होंने राज्य की हेमंत सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस तरह औरंगजेब ने देश को लूटा था, मंदिरों को नष्ट किया था, उसी तरह झारखंड सरकार एक मंत्री था आलमगीर आलम। उनके घर से नोटों की गड्डियां मिली थीं। ये पैसा झारखंड के गरीबों का था, जिसे लूटकर जमा किया गया था। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के कोडरमा और बड़कागांव की सभाओं में सीएम योगी ने

बटेंगे तो कटेंगे का नारा दोहराया। उन्होंने लोगों से कहा कि अपनी ताकत का एहसास करवाइए। जातियों में नहीं बंटना है। जाति के नाम पर कुछ लोग आपको बांटेंगे, कांग्रेस और विपक्ष यही काम करती है। ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या को बुला रहे हैं। एक दिन ये लोग आपको घर के अंदर घंटी और शंख भी नहीं बजाने देंगे। इसलिए एक रहिए और नेक रहिए। मैं तो कहता हूं कि देश का इतिहास गवाह है जब भी बंटे हैं, निर्ममता से कटे हैं। सीएम योगी ने अपनी तीसरी सभा कोल्हान एरिया के जमशेदपुर में की। बता दें, झारखंड में दो चरणों में 81 सीटों पर मतदान होगा। पहले चरण में 13 नवंबर को 43 सीटों पर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को 38 सीटों पर मतदान होगा। सीएम योगी बोले- आज भारत के नाम से ही पाकिस्तान थर-थर कांपता है। आज भारत इतना शक्तिशाली है कि सभी आतंकवादी अपने बिल में घुसे हुए हैं। पीएम मोदी इतने शक्तिशाली हैं कि आज कोई भी देश भारत की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखता है। पहले चीन भारत को आंख दिखाता था अब वह पीछे हट रहा है। इंडिया देश की सुरक्षा, देश के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ कर रहा है इसलिए लोग बीजेपी को वोट दे रहे।

• आलमगीर के करीबियों घर मिले थे 35.23 करोड़ रुपए

योगी ने जिन आलमगीर आलम का जिक्र किया वे झारखंड की हेमंत सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 5 जुलाई 2024 को आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल, उनके घरेलू नौकर जहांगीर आलम, एक बिल्डर और दो इंजीनियर्स के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कुल 35.23 करोड़ रुपए कैश जब्त किए गए थे। नौकर जहांगीर के फ्लैट के कमरों में झोले में भर-भरकर 500-500 रुपए के नोटों के बंडल रखे हुए थे। तब नोट गिनने की तीन मशीन मंगाई गई। तीन दिन की गिनती के बाद यहां कुल 31.20 करोड़ रुपए मिले।

सभी प्राइवेट प्रॉपर्टी पर कब्जा नहीं कर सकतीं हैं सरकारें

सुप्रीम कोर्ट बोला-हर निजी संपत्ति भौतिक संसाधन नहीं

एससी ने 45 साल पहले दिया अपना ही फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या सरकार आम लोगों की भलाई के लिए निजी संपत्तियों का संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को 1978 (45 साल पहले) में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में 9 जजों की बेंच ने 7-2 के बहुमत से फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संसाधनों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती है। बेंच ने 1978 में दिए जस्टिस कृष्ण अय्यर के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था, सभी निजी संपत्तियों पर राज्य सरकारें कब्जा कर सकती हैं।

सीजेआई बोले- पुराना फैसला विशेष आर्थिक, समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। हालांकि राज्य सरकारें उन संसाधनों पर दावा कर सकती हैं जो भौतिक हैं और सार्वजनिक भलाई के लिए समुदाय द्वारा रखे जाते हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ सहित सात जजों ने बहुमत का फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एक्ट कानून रखा बरकरार

• अब 17 लाख मदरसा स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे • सर्वोच्च अदालत की पीजी-रिसर्च सिलेबस तय करने पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट की वैधता बरकरार रखी है। यानी उत्तर प्रदेश में मदरसे चलते रहेंगे और 16000 मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सुनाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह फैसला खारिज कर दिया, जिसमें

मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यूपी मदरसा एक्ट के सभी प्रावधान मूल अधिकार या संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर का उल्लंघन नहीं करते हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें मरदसों को पीजी और रिसर्च का सिलेबस तय करने का अधिकार था। यानी अब मदरसा बोर्ड हायर एजुकेशन का सिलेबस और किताबें तय नहीं कर पाएंगे। 5 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने एचसी के फैसले पर रोक लगा दी थी।

फिर से सस्ता मिलेगा भारत आटा और चावल

• 30 रुपए किलो आटा और 34 रुपए किलो चावल देने की तैयारी • सरकार ने कसी कमर, एनसीसीएफ और नेफेड के जरिए होगी बिक्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगी चीजों के बीच सरकार अब फिर से सस्ते आटे और चावल की बिक्री शुरू कर रही है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने आज यहां भारत आटा और चावल की बिक्री के दूसरे चरण की शुरुआत की। मंत्री ने एनसीसीएफ, नेफेड और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ किया। भारत आटा और चावल के चरण-2 के दौरान ग्राहकों को 30 रुपये प्रति किलो की दर से आटा और 34 रुपये प्रति किलो की दर से चावल मिलेगा। हरी झंडी दिखाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में जोशी ने बताया कि यह पहल ग्राहकों को रियायती दर पर आवश्यक खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि है। उन्होंने बताया कि चावल, आटा और दाल जैसे भारत ब्रांड के तहत बुनियादी खाद्य पदार्थों की खुदरा बिक्री के माध्यम से प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से स्थिर मूल्य व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली है। भारत आटा और चावल के दूसरे चरण के लिए सरकार ने तीनों संगठनों को 3.69 लाख टन गेहूं और 2.91 लाख टन चावल उपलब्ध कराए है।

2025 में बिहार महागठबंधन में 'चालीस' का बढ़ा टेंशन!

तेजस्वी कर रहे भागमभाग, इधर मुकेश सहनी ने सेट किया

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार में उपचुनाव चल रहा है। इस उपचुनाव को अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। इसी के चलते सभी पार्टियां अपना पूरा जोर लगा रही हैं। तेजस्वी यादव ने महागठबंधन की ओर से मोर्चा संभाल रखा है। तेजस्वी इन दिनों बिहार से लेकर झारखंड तक भागमभाग कर रहे हैं। इधर महागठबंधन के साथी वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। अपनी पार्टी के छठे स्थापना दिवस पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए 40 सीटों

पर जीत का लक्ष्य रखा। माना जा रहा है कि इससे महागठबंधन में टेंशन होगी, क्योंकि अभी चुनाव में वक्त है। ऐसे में पहले से ही मुकेश सहनी का इस तरह का बयान न तो राजद को रास आएगा और न कांग्रेस को पसंद आएगा। दरभंगा में आयोजित कार्यक्रम में मुकेश सहनी ने सोमवार को कहा कि वीआईपी ने सीमित संसाधनों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

महाराष्ट्र में बगावत वाली पॉलिटिक्स, होगा 'खेला'

• मंत्री पिता बीजेपी कैंडीडेट, हिना गावित ने छोड़ी पार्टी, नंदुरबार में चढ़ा पारा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानभा चुनावों में बीजेपी को नंदुरबार में बड़ा झटका लगा है। पार्टी की पूर्व सांसद हिना गावित ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है। पेशे से डॉक्टर हिना गावित पूर्व एनसीपी विधायक विजय कुमार गावित की बेटी हैं। वह 2014 में नंदुरबार से लोकसभा के लिए चुनी गई थी। इसके बाद 2019 में हिना गावित फिर से जीती थीं लेकिन 2024 के चुनावों में हिना गावित हार गई थीं। लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के जी के पाडवी को जीत मिली थी। हिना गावित विधानसभा चुनावों में अक्कलकुवा सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरी हैं।

महायुति में यह सीट बंटवारे के तहत शिवसेना को मिली थी। शिवसेना ने इस सीट से आमश्या फुजली पाडवी को उतारा है, जबकि एमवीए यानी कांग्रेस से एडवोकेट के सी पाडवी मैदान में हैं। दो बार नंदुरबार की सांसद रही हिना गावित आमश्या की उम्मीदवारी का विरोध कर रही थीं। अब उन्होंने बीजेपी द्वारा एक्शन लिए जाने की चेतावनी के बाद इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता और नंदुरबार की पूर्व सांसद हिना गावित से अक्कलकुवा सीट से अपना नामांकन वापस लेने को कहा था। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

परमीशन मिलने पर फ्लाइट में इस्तेमाल कर सकेंगे वाईफाई

• इंडियन एयर स्पेस में 3,000 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद मिलेगी यह सुविधा

मुंबई (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को कहा कि फ्लाइट में पैसेंजर्स वाई-फाई के माध्यम से इंटरनेट सर्विस का इस्तेमाल तभी कर पाएंगे, जब विमान इंडियन एयर स्पेस में 3,000 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद उसमें इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इस्तेमाल की अनुमति दी जाएगी। सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण नए फ्लाइट एंड

मेरीटाइम कनेक्टिविटी (अमेंडमेंट) रूल्स, 2024 के तहत आया है। इससे पहले 2018 में यह अनिवार्य किया गया था कि विमान में मोबाइल कम्युनिकेशन सर्विस तभी शुरू की जा सकती है जब विमान स्थलीय मोबाइल नेटवर्क के साथ हस्तक्षेप से बचने के लिए 3,000 मीटर की न्यूनतम ऊंचाई पर पहुंच जाए।

किसानों को उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने निर्देश दिए हैं कि संभाग में किसानों को उनकी आवश्यकता अनुसार उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। समाधान ऑनलाइन और सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण करें। किसानों को कृषि के लिए निरंतर बिजली मिले, ट्रांसफार्मर संबंधी शिकायतों का तुरंत निराकरण किया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री विनोद सिंह, उपायुक्त राजस्व श्रीमती किरण गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में समय-सीमा अंकित पत्र का निराकरण करने तथा आगामी बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कृषि, सहकारिता, मार्कफेड एवं खाद्य विभाग को सोयाबीन उपार्जन, फसल की बुवाई, बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं निरंतर

मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग द्वारा बताया गया कि भोपाल संभाग में रबी वर्ष 2024-25 के लिए सहकारिता, निजी उर्वरक व्यवस्था में यूरिया का भंडारण 116270, वितरण 74645 एवं शेष 41625, डी.ए.पी का भंडारण 29888, वितरण 22717, शेष 7171, एस.एस.पी का भंडारण? 52088, वितरण 21782, शेष 30306, एम.ओ.पी का भंडारण 3093, वितरण 825, शेष 2269, काम्पलेक्स का भंडारण 34151, वितरण 22926 एवं शेष 11226 इस तरह कुल भंडारण 235489, वितरण 142893 एवं शेष 92596 है। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित प्रकरणों में प्रोफाईल अपडेशन, साइकिल वितरण, छात्रवृत्ति के लिए नामांकन, सीएम राइज स्कूल की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को जिले वार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की विभिन्न छात्रवृत्तियों के पंजीयन एवं वितरण को गति के साथ पूर्ण किया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग में आंगनबाड़ी भवनों की जानकारी दी गई, निर्माणाधीन एवं अप्रारंभ आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। किसानों को कृषि के लिए बिजली की उपलब्धता एवं ट्रांसफार्मर के खराब होने की शिकायतों का निराकरण एवं ट्रांसफार्मर के स्टॉक रखने के निर्देश दिए गए। 75 वर्ष्से अधिक आयु के नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने एवं मौसमी बीमारियों, डेंगू, मलेरिया तथा चिकनगुनिया की स्थिति की समीक्षा की गई।

महान संगीतकार बैजू बावरा पर नाट्य मंचन 6 नवंबर को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पयर्टन ने इतिहास के गौरवशाली पन्नों में दर्ज महान कलाकारों को सम्मान देने के लिए एक नई पहल की है। प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरों को जीवंत करने के उद्देश्य से मशहूर संगीतकार बैजु बावरा पर आधारित एक भव्य नाट्य मंचन 6 नवंबर को जनजातीय संग्रहालय (ट्राइबल म्यूजियम) में शाम 6 बजे से होगा। नाट्य मंचन के दौरान ट्राइबल म्यूजियम में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव एवं टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में समुदाय आधारित पर्यटन के रोमांचक अनुभव से देश-विदेश के पर्यटकों को अवगत कराने के उद्देश्य से विभाग द्वारा नवाचार किये जाते रहते हैं। इसी क्रम में स्टोरी टेलिंग के विभिन्न माध्यमों में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा रहा है। चंदेरी के 50 स्थानीय युवक-युवतियों को पहली बार रंगमंच का प्रशिक्षण दिया जाकर चंदेरी के ऐतिहासिक व्यक्तित्व और महान संगीतज्ञ बैजू बावरा पर आधारित संगीतमय नाटक का सृजन किया गया। उल्लेखनीय है कि यह पहल मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर और महान कलाकारों के योगदान को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक प्रयास के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर एक मंच प्रदान करना भी है। स्थानीय युवा पर्यटक भी स्थानीय महान गाथाओं एवं किरदारों से परिचित हो सकेंगे।

एक माह में 1500 मेगावॉट बढ़ी पश्चिम क्षेत्र की बिजली मांग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मालवा और निमाड़ क्षेत्र में रबी की फसलों की सिंचाई अधिकाधिक मात्रा में होने से बिजली मांग में सतत बढ़ोत्तरी दर्ज हो रही है। पिछले एक माह की तुलना मे सोमवार को बिजली की अधिकतम मांग 1500 मेगावॉट ज्यादा दर्ज हुई। एक माह पहले जहां अधिकतम मांग 3900 मेगावॉट के करीब थी, वहीं यह मांग 4 नवंबर को 5600 मेगावॉट रही। मालवा और निमाड़ क्षेत्र में पिछले चौबीस घंटे के दौरान करीब साढ़े नौ करोड़ यूनिट बिजली आपूर्ति हुई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इस वर्ष बारिश का दौर सितंबर तक चलने से अक्टूबर अंत से रबी सीजन की बिजली मांग दर्ज होना शुरू हुई थी, कंपनी क्षेत्र में करीब चौदह लाख किसानों द्वारा सिंचाई करने से वर्तमान में प्रतिदिन मांग में बढ़ोत्तरी की स्थिति हैं। वर्तमान में सिर्फ किसानों के लिए ही दो हजार मैगावाट से ज्यादा की बिजली लग रही है। वहीं कुल बिजली मांग 5600 मेगावॉट के करीब पहुंच चुकी हैं। कंपनी क्षेत्र में मांग सतत बढ़ेगी। इस रबी सीजन में भी अधिकतम बिजली मांग इंदौर जिले की ही करीब 900 मेगावॉट पहुंचेगी। इसके बाद उज्जैन, धार, देवास, खरगोन में 700 से 800 मैगावाट और अन्य जिलों में 300 से 600 मेगावॉट मांग रहेगी। उन्होंने बताया कि अगले एक-डेढ माह में कंपनी क्षेत्र अधिकतम बिजली मांग 7500 मेगावॉट पहुंचने की संभावना हैं। जारी वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक 1679 करोड़ यूनिट बिजली आपूर्ति की जा चुकी है। यह गत वर्ष समान अवधि में की गई विद्युत आपूर्ति से करीब 48 करोड़ यूनिट ज्यादा है।

मौके पर किया अधिकारियों ने समस्याओं का समाधान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में मंगलवार को एडीएम श्री भूपेन्द्र गोयल, श्री सिद्धार्थ जैन, संयुक्त कलेक्टर मोहम्मद इकबाल, श्री अजय शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती निधि चौकसे एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 85 आवेदन प्राप्त हुए। एडीएम श्री गोयल, श्री जैन एवं अन्य अधिकारियों ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की यूनिट नंबर 11 ने किया लगातार 100 दिन से ज्यादा विद्युत उत्पादन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों द्वारा लगातार विद्युत उत्पादन करने की श्रृंखला में सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी 250 मेगावाट की यूनिट नंबर 11 ने लगातार 100 दिन से अधि?क विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड कायम किया है। उल्लेखनीय है कि सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी के विद्युत गृह क्रमांक चार के अंतर्गत यूनिट नंबर 10 व यूनिट नंबर 11 विद्युत उत्पादन कर रही हैं।

योजनाओं का लाभ समय सीमा में आमजन को मिले - कलेक्टर सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने नामांतरण, बटवारा, सीमांकन जैसे लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए और आरसीएम पोर्टल पर दर्ज समय अवधि बाह्य प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण हो। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की भी समीक्षा की गई, जिसमें कलेक्टर श्री सिंह ने लाभार्थियों की किश्तों के समय पर भुगतान के लिए आधार लिंकेज और ई-केवाईसी प्रक्रिया को तत्परता से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया ताकि किसी भी प्रकार की शिकायत लंबित न रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ आमजन को सुलभता से और समय सीमा में प्राप्त होना चाहिए, जिससे जनहित की योजनाओं का सही लाभ

सफलता का कौनों शॉर्टकट नहीं होय, पक्का इरादा से कौनों लक्ष्य प्राप्त कीन जा सकत है-उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल में बघेलखंड सांस्कृतिक भवन ट्रस्ट द्वारा भोपाल में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने बघेली भाषा में कहा कि लोगन का सम्मानित करब विंध्य कै गौरवशाली परम्परा आय। सम्मान समाज मा या संदेश देत है कि समाज कै नज़र पारखी है। औरन का प्रेरित करत है मेहनत करै का, संघर्ष करिके सफल होंय का। सफलता का कौनों शॉर्टकट नहीं होय। दूरदृष्टि और पक्का इरादा से कौनों लक्ष्य प्राप्त कीन जा सकत है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कार्यक्रम में संघ लोक सेवा आयोग और

राज्य सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले विंध्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी सम्मानित अधिकारियों को प्रेरित किया कि अपने कार्यक्षेत्र में पूरे मनोयोग से कार्य कर विंध्य क्षेत्र का प्रदेश का और राष्ट्र का नाम रोशन करें। उन्होंने आह्वान किया कि स्वयं के विकास के साथ अपने क्षेत्र का अपने समाज का विकास करने में भी अग्रणी रहें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विंध्य क्षेत्र के प्रतिभाशाली व्यक्ति प्रदेश में देश और समूची दुनिया कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, यह क्षेत्र के लिये गौरव का विषय है।

समय पर एम्बुलेंस सेवा न मिलने पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सीधी में गर्भवती महिला को एम्बुलेंस सुविधा प्रदाय में अवांक्षित विलंब पर संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार की प्राथमिकता त्वरित और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, और किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य है। संबंधित एम्बुलेंस वाहनों के एक माह की परिचालन व्यय राशि 4 लाख 56 हजार 9 सौ 17 रुपये सेवा प्रदाता के देयकों से काटी जाएगी, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। संचालक एनएचएम द्वारा कटौती के आदेश ज़ारी कर दिये गये हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी, सिविल सर्जन सीधी, जिला टीकाकरण अधिकारी एवं प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा खण्ड चिकित्सा अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए विभागीय जांच संस्थित की गई है। मामले की पूरी गंभीरता से जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के

विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। उल्लेखनीय है कि 1 नवम्बर की रात गर्भवती महिला श्रीमती उर्मिला रजक को अचानक पेट में दर्द होने पर उनके पति ने रात 10ः30 बजे से 108 एम्बुलेंस सेवा के कॉल सेंटर पर कई बार संपर्क किया।

हालांकि, गंभीर स्थिति के बावजूद जिले में उपलब्ध एम्बुलेंस सेवा को तत्काल असाइन नहीं किया गया। गर्भवती महिला को सीधी जिला में संचालित 108/जननी एम्बुलेंस के बजाय अन्य लोकेशन की एम्बुलेंस असाइन की गई, जो कि पहले से ही एक अन्य केस में व्यस्त थी। एम्बुलेंस पहुंचने में देरी के चलते, प्रसूता के पति को मजबूरन हाथ रिक्शे के माध्यम से अस्पताल की ओर ले जाना पड़ा। रास्ते में ही महिला का प्रसव हुआ और अस्पताल पहुंचने से पहले नवजात शिशु की मृत्यु हो गई।

जिला स्तरीय विद्युत अंतर्विभागीय समन्वय समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि प्रदेश में विद्युत संबंधी स्थानीय मामलों के त्वरित निराकरण एवं विद्युत देयकों के राजस्व संग्रहण में बढ़ोतरी और राज्य शासन द्वारा दी जा रही विद्युत सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने के लिए जिला स्तरीय विद्युत अंतर्विभागीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। राज्य शासन द्वारा गठित इस जिला स्तरीय समिति में जिला कलेक्टर पदेन अध्यक्ष होंगे और पुलिस आयुक्त/पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगर निगम आयुक्त, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सदस्य के रूप में रहेंगे। विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता/महाप्रबंधक शहर /(संचारण/संधारण) को सदस्य एवं संयोजक नियुक्त किया गया है। जिला स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति द्वारा जिला प्रशासन के समन्वय एवं सहयोग से विद्युत उपभोग की प्रवृत्ति में सकारात्मक परिवर्तन करना एवं प्रभावी राजस्व प्रबंधन करने के साथ ही बकाया राशि वाले क्षेत्रों एवं उपभोक्ताओं को चिन्हांकित करना, विद्युत उपभोक्ताओं का केवाईसी सुनिश्चित करना, जिससे डाटा एनालिसिस के आधार पर पात्र उपभोक्ताओं की पहचान की जा सके, ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान करना जिनके द्वारा जानबूझकर बकाया विद्युत बिल का भुगतान नहीं किया जा रहा है तथा अनियमित तरीके से विद्युत बिल कम करने के प्रकरणों में कार्रवाई की जायेगी। समिति द्वारा काल्पनिक उपभोक्ता एवं एक ही व्यक्ति के कई विद्युत कनेक्शन का चिन्हांकन कर कार्रवाई की जाएगी। समिति द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं व उनके परिवारजन के बैंक खातों की जानकारी प्राप्त करके मध्यप्रदेश गवर्नमेंट इलेक्ट्रिकल अंडरटेकिंग (ड्यूज़ रिकवरी) एक्ट 1961 के अंतर्गत बैंक खाते के माध्यम से राशि प्राप्त की जाएगी।

कमेन्डेशन डिस्क एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित होंगे वनकर्मी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के वनकर्मियों को स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा वन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मध्यप्रदेश कमेन्डेशन डिस्क'' एवं प्रशस्ति-पत्र'' देकर सम्मानित किया जायेगा। अलंकरण समारोह 6 नवम्बर को वन भवन (वन मुख्यालय) तुलसी नगर, भोपाल में दोपहर 12 बजे होगा। समारोह में 46 अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जायेगा।

पुरस्कृत होने वाले वनकर्मियों में बालाघाट जिले के बालाघाट उत्तर उत्पादन के उप वन क्षेत्रपाल श्री राजेश कुमार पाण्डे, बैतूल जिले के पश्चिम बैतूल के वन-रक्षक श्री फूलदेव यादव, उत्तर बैतूल की कार्यवाहक वनपाल श्रीमती प्रेमवती पन्द्राम, बैतूल दक्षिण के वनपाल श्री रमेश कुमार महस्की, छतरपुर जिले के उत्तर पन्ना के उप वन क्षेत्रपाल श्री मनोज सिंह बघेल, वन-रक्षक श्री मुरलीधर अहिरवार, वन-रक्षक श्री अमान सिंह, वन-रक्षक क्रीड़ा क्षेत्र कु. निधि बिदुआ, जिला छिंदवाड़ा के उत्पादन की वन क्षेत्रपाल श्रीमती अनामिका कनोजिया, पश्चिम वृत्त से वन-रक्षक श्री सौरभ सिंह चौहान, ग्वालियर जिले के प्रभारी सहायक वन संरक्षक राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य भिण्ड श्री भूरा गायकवाड़, नर्मदापुरम् के उत्पादन हरदा के वन-रक्षक श्री अमित राय, वन-रक्षक श्री अशोक लखोरे, नर्मदापुरम् के वन-रक्षक श्री उपदेश उइके, इंदौर जिले के वन मण्डल धार प्रभारी उप वन क्षेत्रपाल श्री भुवान सिंह मण्डलोई, जबलपुर जिले के टाइगर रिजर्व कान्हा के वन क्षेत्रपाल श्री जितेन्द्र अवासे, उप वन क्षेत्रपाल श्री कुँवर सिंह तेकाम, वन-रक्षक श्री रमेश रहांगडाले, वन-रक्षक श्री हज्जीलाल बैगा, उत्पादन वन मण्डल डिण्डोरी के वन-रक्षक श्री गणेश प्रसाद दुबे, रीवा जिले के मुकुंदपुर जू के वन-रक्षक श्री विजय कुमार साकेत, वन मण्डल रीवा के वन क्षेत्रपाल श्री राजकुमार यादव, सागर जिले के उत्तर वन क्षेत्र के कार्यवाहक वनपाल श्री अनिल दोहरे, सिवनी जिले के दक्षिण सिवनी के कार्यवाहक उप वन क्षेत्रपाल श्री कृष्ण कुमार चौरसिया, पेंच टाइगर के वन-रक्षक श्री कपिल कुमार पटेल, वनपाल श्री सीताराम उइके, वनपाल श्री तेजलाल उइके, वन-रक्षक श्री महेन्द्र भारतीय, शहडोल जिले के वन मण्डल अनूपपुर के वन-रक्षक श्री कुंदन कुमार शर्मा, दक्षिण वन मण्डल शहडोल के वन-रक्षक श्री सूरज बैगा, वन-रक्षक (डॉग हेंडलर) श्री रामकमल पयासी, वन-रक्षक (सहायक डॉग हेंडलर) श्री राजकुमार त्रिपाठी, सामान्य वन मण्डल उमरिया के कार्यवाहक वनपाल (क्रीड़ा क्षेत्र) श्री रामकुमार बैगा, शिवपुरी जिले के वन मण्डल शिवपुरी के वन क्षेत्रपाल श्री राजेश निनामा, वन-रक्षक श्री उपेन्द्र यादव, माधव राष्ट्रीय उद्यान के वन-रक्षक श्री अनिल शर्मा, उज्जैन जिले के सामान्य वन मण्डल रतलाम के वन-रक्षक श्री रोहित चौहान, खण्डवा जिले के सामान्य वन मण्डल खरगौन के वन-रक्षक श्री कैलाश सामान्य वन मण्डल रायसेन के कार्यवाहक उप वन क्षेत्रपाल श्री सजन सिंह मीणा, सामान्य वन मण्डल भोपाल के वनपाल श्री राजकुमार चौधरी, सामान्य वन मण्डल रायसेन की कार्यवाहक वनपाल कु. मुक्ता विश्वकर्मा, स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इकाई जबलपुर के वनपाल श्री विपिन लकड़ा, वन-रक्षक श्री कैलाश चरार, राज्य स्तरीय उड़न दस्ता भोपाल के कार्यवाहक वनपाल (क्रीड़ा क्षेत्र) श्री मुकेश बघेल और वन-रक्षक (क्रीड़ा क्षेत्र) श्री शैलेश कुमार वर्मा शामिल हैं।

70 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये जागरूक करने की अभिनव पहल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल जिले में 70 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड निरंतर बनाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग जिला भोपाल द्वारा अभिनव पहल करते हुए 70 साल से अधिक उम्र के चिकित्सकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी द्वारा विशेष व्यवस्था की गई। इस दौरान सीएमएचओ कार्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में 50 से अधिक चिकित्सकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। कार्यक्रम में आयुष्मान भारत निरामयम कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक दुबे (राज्य प्रशासनिक सेवा) सहित वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। 30 अक्टूबर को जिले में पहला आयुष्मान कार्ड बनाया गया था। जिले में

अब तक 12 सौ से अधिक कार्ड बनाए जा चुके हैं। 11 नवंबर को 70 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ चिकित्सकों के लिए आयोजित आयुष्मान कार्ड जनरेशन के विशेष कार्यक्रम में वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ. शीला भंबल, पूर्व डायरेक्टर मेडिको लीगल गांधी मेडिकल कॉलेज प्रो. डॉ. डी.के. सत्पथी, पूर्व डीन गांधी मेडिकल कॉलेज प्रो. डॉ. निर्भय श्रीवास्तव, फॉरेंसिक विभाग के पूर्व विभाग अध्यक्ष प्रो. डॉ. भानु दुबे, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस.के. सक्सेना, डॉ. ए.के. चौधरी, डॉ. आई.के. चुग, डॉ. अनिल शुक्ला, वरिष्ठ स्त्री रोग चिकित्सक डॉ. मीनाक्षी पटेल, शिशु रोग सर्जरी के विभाग अध्यक्ष प्रो. डॉ. बुधानी, शिशु रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ. एस.के. त्रिवेदी, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. एस.के. द्विवेदी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. डी.के. जोशी, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश पटेल सहित विभिन्न वरिष्ठ चिकित्सकों को नवीन आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा इस योजना में वरिष्ठ नागरिकों को शीघ्रा लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को भर्ती होने पर 5 लाख रुपए तक का निशुल्क/ कैशलैस उपचार मिलेगा। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में एक नया कार्ड/विशेष पहचान नंबर जारी किया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत डॉ. मनोज हुरमाड़े ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बीआईएस पोर्टल एवं आयुष्मान ऐप के माध्यम से बनाए जा रहे हैं। योग्यता के लिये पात्रता का निर्धारण आधार कार्ड के आधार पर किया जा रहा है।

नव नियुक्त अधिकारियों को मिला है विकास में योगदान करने का मौका

विन्ध्य भवन में आयोजित हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विन्ध्य भवन में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में कहा कि उच्च पदों पर चयनित आप सभी लोगों को ईश्वर ने मौका दिया है कि प्रदेश सहित विन्ध्य के विकास में अपना भरपूर योगदान दें। हजारों परिवार आपकी ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। पूर्व मंत्री और पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधायक अजयसिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि नौकरी की जितनी जरूरत आप सभी को है उससे कहीं ज्यादा जरूरत देश और प्रदेश को आपकी है। इसलिए जहाँ कहीं भी आप पदस्थ हैं, आपकी भूमिका मायने रखती है। आपकी पारखी नजर ही विकास को नये पंख लगा सकती है। उन्होंने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में वर्क कल्चर बहुत अधिक है। यहाँ के लोगों में दिमाग भी है। सबके सामूहिक प्रयास से आज विन्ध्य आगे बढ़ रहा है। बाणसागर परियोजना विन्ध्य की तस्वीर बदल रही है। यहाँ, लाइम स्टोन है, कोयला है, फारेस्ट है, वाइल्ड लाइफ है। यहाँ हरित क्रांति और पर्यटन क्रान्ति हो सकती है। सिर्फ थोड़े से प्रयास की जरूरत है। जिस तरह आप सभी ने कठिन मेहनत और समर्पण के साथ दूरदृष्टि और पक्के इरादे के साथ अपना मुकाम हासिल किया है उसी तरह आपको अपने दायित्वों के साथ साथ विन्ध्य के विकास को भी केंद्र बिंदु में रखना है। इससे उन सभी नवयुवकों को प्रेरणा मिलेगी जो अभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा में एयरपोर्ट के लिए काफी प्रयास करना पड़े। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि आज से पांच साल बाद इंदौर के बाद रीवा प्रदेश का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट होगा। जहाँ चाह है वहीं राह मिलती है। यदि हम असफलता का कारण समझ गये तो सफलता निश्चित है। उन्होंने कहा कि आज विन्ध्य क्षेत्र का जो विकास है उसमें परोक्ष और अपरोक्ष रूप से विन्ध्य के रहने वाले उन सभी लोगों की भूमिका है जो प्रदेश के विभिन्न विभागों और क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह ने कहा कि आज के कार्यक्रम का जो उद्देश्य था, वह पूरा हुआ है। खुशी की बात है कि आज विभिन्न क्षेत्रों के विन्ध्य के युवा चयनित अधिकारी एक मंच पर एकत्र हुए हैं। यह तो अभी केवल शुरुआत है, आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। विन्ध्य के बहुत सारे लोग बड़े बड़े पदों से रिटायर होकर भोपाल में बस गये हैं, आगे उन्हें भी एकत्र कर सम्मानित किया जाएगा ताकि उनके अनुभव का लाभ आने वाली पीढ़ी को मिल सके। उन्होंने कहा कि विन्ध्य के बहुत सारे लोग देश की बड़ी बड़ी जगह पदस्थ हैं, चाहे वह रक्षा क्षेत्र हो या फिर न्याय का7 सभी जगह उन्होंने विन्ध्य का नाम ऊंचा किया है।

बघेलखंड ट्रस्ट के महासचिव और कार्यक्रम के संयोजक डा. कमलाकर सिंह ने ट्रस्ट के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मध्यप्रदेश बनने से पहले विन्ध्य की अपनी एक अलग सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक पहचान रही है। लेकिन मध्यप्रदेश बनने के बाद वह नये प्रदेश में समा गई। विन्ध्य की प्राचीन पहचान को स्थान दिलाने के लिए ट्रस्ट काम कर रहा है और आज का सम्मान समारोह इसी कड़ी का एक हिस्सा है। आज विन्ध्य के प्रतिभाशाली लोग यूपीएससी और पीएससी से नव चयनित अधिकारी एक मंच पर एकत्र हैं जो ट्रस्ट के लिए सौभाग्य की बात है।

पूर्व में उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा, वन सेवा सहित राज्य सेवा के लगभग 50 से अधिक अधिकारियों का शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मनित किया।

समय पर रक्त मिलने से थैलेसीमिया मरीज की बची जान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला चिकित्सालय सीधी में अवनीश बंसल उम्र 4 वर्ष 5 माह को उपचार हेतु विगत दिवस लाया गया, जो कि थैलेसीमिया रोग से पीड़ित बताया गया। चिकित्सको ने जीवन रक्षा हेतु त्वरित रूप से मरीज को रक्त चढ़ाने की बात कही किन्तु मरीज के अभिभावक पहले से ही रक्तदान कर चुके थें, जिस कारण वे रक्त दान में असमर्थ साबित हुए। वहीं चिकित्सकों के कहने पर मरीज के परिजन ब्लड बैंक पहुँचे किन्तु वहॉ उक्त रक्त उपलब्ध न होना बताया गया। ऐसे में थैलेसीमिया पीड़ित मरीज के परिजन मद्द हेतु इधर उधर भटकने लगे वहीं ऐसे में कमल कामदार वरिष्ट समाजसेवी सिंधी समाज के अग्रणी समय पर रक्त उपलब्ध कराकर जीवन रक्षक साबित हुए। अवनीश बंसल पिता किशुन लाल बंसल बड़ा गॉव, कोदौरा थाना अमिलिया सीधी थैलेसीमिया रोग से पीड़ित हैं। थैलेसीमिया एक ऑटोसोमल रिसेसिव विकार है, जिसके कारण मरीज को आजीवन रक्त आधान की आवश्यकता होती है। जिला चिकित्सालय कैंपस के अंदर संचालित ब्लड बैंक मांग के अनुसार रक्त की उपलब्धता कराने में असमर्थ साबित हो रहा है। जिसके चलते जरूरतमंद मरीजों को मजबूरी में आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है। आपको बतादें कि अवनीश बंसल के अभिभावक जब इधर उधर मदद की अपील करते हुए भटक रहे थें, वहीं कमल कामदार वरिष्ट समाज सेवी ने उक्त जानकारी मिलते ही सिंधी समाज एवं व्यापारी समाज से मदद की गुहार लगाते हुए त्वरित रूप से मरीज के परिजनो को रक्त उपलब्ध कराने में सहायक साबित हुए।

श्री रामलला महोत्सव का आयोजन 7 से

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। ध्यान योग जन जागृति सेवा संस्थान शाखा-रीवा मंडल द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष आयोजित होने वाले श्री रामलला महोत्सव सत्संग साधना शिविर और अधिक भव्यता के साथ मनाया जाएगा।

जिसमें स्वामी कमलेश्वरानंद एवं ब्रह्मप्रिया गुरु माता नम्रता कमलिनी के उत्कृष्ट प्रवचन का लाभ ले पाएंगे। कार्यक्रम में भजन, प्रवचन के साथ ही साथ बजरंग साधना सिद्धि दीक्षा समूल संकट अकाल मृत्यु नाशक,प्राण रक्षक सर्व विजय श्री प्राप्ति दीक्षा प्रदान करेंगे द्य आयोजन 7, 8 एवं 9 नवंबर को यू के एस पैलेस में नई बस स्टैंड के पास होगा।

घर का दरवाजा तोडकर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार कर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कमर्जी पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया मशरूका जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक फरियादी जग्यसेन रजक निवासी करूईखाड़ थाना कमर्जी 03 नवंबर को थाना में रिपोर्ट लेख कराया की 2 नवंबर को पत्नी एवं लडका पतोहू खाना पीना खाकर घर का दरवाजा बंद करके सो रहे थे रात को लगभग 1 बजे पत्नी जगी तो देखी की घर का दरवाजा खुला है। तब मेरी पत्नी घर के अंदर जाकर देखी तो घर मे रखी पेटी नहीं थी पेटी के अंदर एक नग मंगल सूत्र, एक जोड़ी झुमका, एक जोड़ी कर्धनी, एक नग पैंजेहर, 11 नग मनचली तथा 5000 रुपये नगदी था। आस पड़ोस सभी काफी पता तलास किया जो नहीं मिला मुझे शंका है की कोई अजात चोर मेरे घर मे घुस कर घर के अंदर रखा समान चोरी कर ले गया है जिसका कुल कीमती 80,000 रुपये है। रिपोर्ट पर थाना कमर्जी मे अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। कई संदेहियों को पुलिस अभिरक्षा मे लिया जाकर पूछताछ की गयी जिसमे सुरेंद्र उर्फ ज्वाला पटेल पिता शिवबालक पटेल निवासी करुईखांड थाना कमर्जी जिला सीधी ने घटना कारित करना स्वीकार किया तथा कब्जे से प्रकरण का चोरी गया समस्त मसरूका सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी कुल कीमती 80 हजार रुपये जप्त कराया जिसे समक्ष गवाहों के जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

गौ रक्षको ने घायल गोवंशों का कराया उपचार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मंगलवार की दोपहर अस्पताल चौक के समीप खून से लथपथ गोवंशों को देखा गया, जिसकी सूचना गौ रक्षा दल सीधी को दी गयी। जानकारी मिलते ही त्वरित रूप से अलग अलग स्थल एवं समय पर गौ रक्षा दल के सदस्य दीपेन्द्र तिवारी, प्रिंस दीक्षित, अनिल पटेल, मुकेश गिरी, विकास गुप्ता, संजीव कुमार रावत एवं पशु औषधालय से डॉ. मोहन भारती पहुॅच कर घायल गौवंशो का त्वरित उपचार किया। जिले में विगत तीन वर्षो से गौ रक्षा दल के सदस्यों द्वारा स्वंय के व्यय पर गौ रक्षा के पावन पुनीत कार्य में लगे हुए हैं।

जो कि सूचना मिलते ही त्वरित रूप से जिला मुख्यालय एवं जिले के कोने कोने तक सेवायें देते हुए देखे जा रहे हैं। चर्चा के दौरान गौ रक्षकों ने बताया कि उनके सदस्यों के द्वारा कई बार जन प्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन से संपर्क कर मद्द की गुहार लगाई गई किन्तु वहॉ से मदद न मिलने पर स्वंय के व्यय पर बिना किसी दिखावे के गौ रक्षा के कार्यो को अंजाम दिया जा रहा है। जिसमें पशु औषधालय के समस्त चिकित्सक एवं स्टाफ का सराहनीय योगदान रहता है। दीपेन्द्र तिवारी ने चर्चा के दौरान बताया कि मंगलवार की दोपहर अस्पताल चौक के समीप एवं शाम के समय पुराना मिश्रा नर्सिंग होम के समीप गौ वंश सड़क दुर्घटना के शिकार हुए थें, जिसकी सूचना मिलते ही टीम के द्वारा गौवंशो का उपचार कराया गया।

संगठन चुनाव पार्टी की मजबूती और ऊर्जावान व राष्ट्रभक्त कार्यकर्ताओं की टोली खड़ी करने के लिए है

भारतीय जनता पार्टी की संगठन पर्व कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी में सच्चे अर्थो में लोकतंत्र है, जिसके कारण संगठन पर्व के अंतर्गत प्राथमिक सदस्यता और फिर सक्रिय सदस्यता और उसके बाद संगठन चुनाव भारतीय जनता पार्टी करने जा रही है। संगठन चुनाव पार्टी की मजबूती और ऊर्जावान, राष्ट्रभक्त कार्यकर्ताओं की टोली खड़ी करना है। भारतीय जनता पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है। उक्त आशय के उार भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन चुनाव के अंतर्गत भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश मंत्री, पूर्व प्रदेश के मीडिया प्रभारी और जिले के जिला चुनाव अधिकारी लोकेंद्र पाराशर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। चुनाव अधिकारी श्री पाराशर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है क्योंकि इस में ही कभी बूथ अध्यक्ष रहे अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बाद में केंद्रीय गृहमंत्री बने वहीं एक सामान्य चाय बेचने वाले परिवार का बच्चा दुनिया का सबसे मजबूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में बनता है। चुनाव अधिकारी लोकेंद्र पाराशर ने पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को बधाइयां देते हुए कहा कि सीधी जिले की सदस्यता का लक्ष्य तीन लाख था जिसे आप सभी ने परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए 3 लाख दो हजार से अधिक रिकार्ड सदस्यता कर जिले को गौरवान्वित किया है। इसके लिए पार्टी के सभी देव दुर्लभ कार्यकर्ता अभिनंदन के पात्र हैं वही सीधी विधानसभा लक्ष्य से 115 प्रतिशत से अधिक सदस्यता करके इतिहास रचा है। चुनाव अधिकारी श्री पाराशर ने मंडलवार चुनाव सहयोगियों की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि चुनाव सर्वसम्मति से और पार्टी विस्तार की दृष्टि से निर्विरोध रूप से संपन्न करें।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन चुनाव केवल अध्यक्ष बनने के लिए नहीं बल्कि संगठन को और मजबूती प्रदान करने के लिए होता है। परिवार और सर्वव्यापी और शानदार हो, इसके लिए पार्टी की सदस्यता करने के पश्चात शानदार पदाधिकारी की टीम बनाएं। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री और जिला संगठन प्रभारी राजेश पाण्डेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सभी दायित्वान कार्यकर्ता आपसी सहमति और समन्वय के साथ आगामी दिनों में संपन्न होने वाले संगठन के चुनाव को संपादित करें। भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने विगत वर्षो में हुए शानदार पार्टी कार्यक्रमों की चर्चा करने के साथ-साथ संगठन पर्व को भी ऐतिहासिक ढंग से संपन्न करने के लिए सभी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का दोनों हाथ जोड़कर अभिनंदन करते हुए उन्हें बधाइयां दी।

सिहावल विधानसभा के विधायक विश्वामित्र पाठक ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से हमने संगठन पर्व के अंतर्गत प्राथमिक डिजिटल और सक्रिय सदस्यता ऐतिहासिक ढंग से बनाई है। उसी प्रकार से अच्छे और संगठन निष्ठ कार्यकर्ताओं की फौज, हम इन संगठन चुनाव में खड़ी करें और पार्टी को अजेय बनाएं। कार्यक्रम में स्वागत भाषण पूर्व जिला अध्यक्ष बृज बिहारी लाल शर्मा ने दिया। संचालन जिला महामंत्री अशोक पटेल और आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री विवेक कोल ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सहायक चुनाव अधिकारी मोतीलाल पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू राम जी सिंह, जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू, पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ देवेंद्र त्रिपाठी, राम प्रसाद वैश्य, जिला उपाध्यक्ष अंजू पाठक, डॉ विक्रम सिंह चौहान, प्रमोद द्विवेदी, सरस्वती बहेलिया, अमलेश्वर चतुर्वेदी, संदीप शर्मा, जिला महामंत्री डॉ मनोज मिश्रा, प्रदेश सह संयोजक जितेन्द्र सिंह चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता शत्रुघ्न तिवारी, विश्व बंधु धर द्विवेदी, जिला मंत्री लोकेश सिंह, अमित प्रधान, सुनीता रानी वर्मा, पूजा सिंह कुशराम, ज्योति कुशवाहा, अनीता चौरसिया, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, डॉक्टर मनीला सिंह चौहान, अजीत पांडे शिवदान साकेत मोर्चा अध्यक्ष निशांत मिश्रा, पूनम सोनी, राजमणि साहू, राकेश मौर्या, लोरिक प्रसाद यादव, पुन्नू खान,मंडल अध्यक्ष मुनिराज विश्वकर्मा, प्रवीण तिवारी सहित मोर्चा, मंडल के अध्यक्ष, महामंत्री और निर्वाचन टोली के कार्यकर्ता और पदाधिकारी सैकड़ो की संख्या में उपस्थित रहे।

शहर में चल रहे गांव में स्वीकृत कियोस्क सेंटर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समाजवादी पार्टी के नेता जय सिंह चौहान राजू ने शहर में चल रहे गांव में स्वीकृत कियोस्क सेंटर के प्रति जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को उनके ही गांव में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कियोस्क बैंक संचालित किए गए है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को गांव में ही बैंक की सुविधाओं का लाभ मिल सके, लेकिन कुछ राष्ट्रीयकृत बैंकों के कियोस्क सेंटर ग्रामीण क्षेत्रों की बजाय शहरी क्षेत्र में संचालित किए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों को पेंशन से लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए शहर आना पड़ता है। ऐसे में उनको समय और धन दोनो का नुकसान हो रहा है। जबकि इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बैकिंग सुविधाएं बढ़ाने की मंशा थी जो पूरी होती नहीं दिखाई दे रही है।शहर में संचालित हो रहे कियोस्क सेंटरो पर कई किमी का सफर तय कर ग्रामीण उपभोक्ता और पेंशनर आते हैं। ग्रामीण अंचलों के पेशनधारियों सहित अन्य लोगों को कियोस्क सेंटरों तक पहुंचने के लिए किराया खर्च करना पड़ता है। किराए खर्च करने के बाद कियोस्क सेंटरों से राशि मिलती है, जबकि कियोस्क सेंटर उन्ही के गांव में संचालित होना चाहिए था। जिन ग्रामीण क्षेत्र के लिए यह कियोस्क बैंक चालू किए गए हैं वह निर्धारित ग्रामों में कभी संचालित किए ही नहीं गए।

सरपंच द्वारा निजी भूमि पर अमृतसरोवर बनाने का अरोप, ग्रामीणों ने की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, त्योंथर निप्र। शासन की योजना के अंतर्गत किसानों को समृद्ध बनाने मछली पालन एवं अन्य लाभकारी कार्यों हेतु शासन द्वारा पंचायत स्तर पर अमृत सरोवर का निर्माण करने हेतु ग्राम पंचायत सरपंचों जनपद पंचायत को निर्देशित किया गया था अमृत सरोवर का निर्माण कम से कम ढाई एकड़ शासकीय भूमि में होने का नियम है जिसमें ग्राम पंचायत पूर्वा मनीराम के सरपंच धीरेश तिवारी सचिव राममिलन के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अंधेरे में रखकर शासकीय भूमि का नक्शा खसरा लगाकर ए यस,टी यस कराया गया था जहां अमृत सरोवर का निर्माण होना चाहिए था वह भूमि तो शासकीय नाला थी परंतु सरपंच धीरेश तिवारी द्वारा निजी लाभ लेने हेतु स्वयं एवं परिवारजन के पट्टे की भूमि पर अमृतसरोवर का निर्माण कराया गया जिसकी शिकायत ग्रामीणों के द्वारा कलेक्टर रीवा, एसडीएम,जनपद पंचायत सीईओ से की वही शिकायतकर्ता अखिलेश सिंह के द्वारा बताया गया की मात्र 20 मीटर की एक मेड जेसीबी से बंधवा करके शासन द्वारा स्वीकृत की गई संपूर्ण राशि का गमन कर लिया गया है साथ ही शिकायतकर्ता द्वारा यह भी बताया गया कि इस कार्य में फर्जी मास्टर रोल लगाया गया फोटो युक्त मास्टर रोल नहीं लगाया गया है।

जिससे प्रमाणित हो रहा है की कितना भ्रष्टाचार किया गया है शासन द्वारा अमृत सरोवर हेतु दिए गए लगभग 24 लाख के इस गमन में वरिष्ठ अधिकारियों का भी हाथ हो सकता है शिकायतकर्ता ने बताया कि मेरे द्वारा जनपद स्तर एवं जिला स्तर पर शिकायत की गई थी परंतु सरपंच की राजनीतिक पकड़ मजबूत होने के कारण आज दिनांक तक मेरे द्वारा की गई शिकायतों की जांच नहीं की जा रही है साथ ही शिकायतकर्ता ने वरिष्ठ अधिकारी से मांग की है कि मेरी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए अमृत सरोवर बनाने हेतु ग्राम पंचायत द्वारा लगाए गए दस्तावेज एवं अमृत सरोवर का कार्य करने के स्थल का मिलान कराया जाए अगर शिकायत सही पाई जाती है तो सरपंच सचिव के ऊपर कार्यवाही की जाए जबकि सरपंच सचिव द्वारा निजी लाभ हेतु शासन द्वारा दी गई योजना अमृत सरोवर को अपने निजी खेत में बनाने एवं फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कर अमृत सरोवर का कार्य किए जाने पर अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की कृपा करें शिकायतकर्ता ने यह भी कहा है कि अगर मेरी शिकायतों में सत्यता नहीं पाई जाती है तो शिकायतकर्ता पर जो भी दंड देगी उसे मैं सहर्ष स्वीकार करने के लिए तैयार हूं ग्राम पंचायत पूर्वा मनीराम के सरपंच सचिव के द्वारा मास्टर रोल में फर्जी तरीके से निकाल करके संपूर्ण राशि आहरित की गई है जिसकी जांच होने पर ही व्यापक भ्रष्टाचार शासन प्रशासन के सामने आएगा ।

प्रशासनिक अमले की अनदेखी के चलते शासकीय तालाब में अतिक्रमण

मीडिया ऑडीटर, त्योंथर निप्र। हाई कोर्ट व शासन ने जहां एक ओर राजस्व विभाग को शासकीय तालाबों व जमीनों पर हो चुके अवैधानिक रुप से हो चुके अतिक्रमण को हटाने हेतु निर्देशित किया है वही दूसरी ओर रीवा जिले से लेकर त्योंथर तहसील में पदस्थ राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी हाई कोर्ट एवं शासन के आदेशों की अनदेखी कर शासकीय भूमि व तालाबों से अवैध कब्जा हटाने व अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने से कतरा रहे है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मंझिगवा स्थित शासकीय तालाब में कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर अपने घर बना लिया है।तालाब में अवैध कब्जा होने से ग्रामीण जनों व मवेशियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ग्राम पंचायत मझिगवां तह. त्योंथर के ग्राम पुर्वा में स्थित तालाब जिसका आराजी नं.96 व 97 रकवा 15 बीघा राजस्व रिकार्ड में शासकीय भूमि दर्ज है। उक्त शासकीय तालाब में गांव के ही दबंग लोगों के द्वारा उक्त तालाब की जमीन पर अवैध अतिक्रमण कर भवन निर्माण कर लिया है।जबकि उक्त शासकीय आराजी को अन्य प्रयोजन हेतु सुरक्षित रखा जाना आवश्यक है।

उक्त शासकीय तालाब में अवैध रुप से कब्जा किये जाने की सूचना लिखित रुप में हल्का पटवारी मझिगवां तह.त्योंथर के साथ राजस्व निरीक्षक मण्डल चाकघाट, एसडीएम, कलेक्टर को देने के बाद भी आज तक कोई कार्यवाही नही की गई वही ग्रामीणों ने वरिष्ठ अधिकारियों से एक बार फिर म.प्र.शासन की उक्त शासकीय तालाब का विधिवत सीमांकन कराकर इसे अतिक्रमण मुक्त कराने की अपील की।

विचार

आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बड़ी समस्या

एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

मिथक हिंदू/भगवा आतंकवाद' सिद्धांत कितनी बड़ी साजिश थी, उसका फिर खुलासा पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के एक दावे से हो जाता है। एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस में पार्टी का अर्थ गांधी परिवार (सोनिया-राहुल-प्रियंका) है। यह चिंतन उस मानसिकता की उपज है, जिसमें इस्लामी आतंकवाद को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जायज ठहराने के लिए हिंदू आतंकवाद' रूपी छलावा खड़ा किया गया था। इस साजिश में वामपंथियों और कट्टरपंथी मुस्लिमों के साथ कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल था।

शिंदे के हालिया कबूलनामे से वह कड़वा सच भी एकाएक ध्यान में आता है कि ज्ञान-विज्ञान और पराक्रम जैसे गुणों से सुशोभित होते हुए भी भारत मध्यकाल में लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम और फिर 200 सालों तक अंग्रेजों के अधीन क्यों हो गया था। इतिहास साक्षी है कि यदि व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जयचंद, पृथ्वीराज चौहान को धोखा नहीं देता, तो विदेशी आक्रांता मुहम्मद गौरी नहीं जीतता। इसी तरह यदि शाह वलीउल्लाह मराठाओं के खिलाफ अफगान अब्दाली को भारत नहीं बुलाता और प्लासी की लड़ाई में मीर जाफर यदि सिराजुद्दौला को न छलता, तो भारत में अंग्रेजी साम्राज्य संभवत- स्थापित ही नहीं होता। कांग्रेस नीत यूपीए (वर्तमान आईएनडीआईए) कार्यकाल में उसी काले इतिहास को दोहराया गया था।

व्यक्तिगत, राजनीतिक और वैचारिक विरोध के चलते हिंदू/भगवा आतंकवाद' शब्दावली की रचना कर दुनिया में भारत, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों को कलंकित करने का जाल बुना गया। इसकी जड़े 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध (12) बम धमाके में मिलती है, जिसमें 257 निरपराध मारे गए थे। तब महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री शरद पवार ने आतंकियों की मजहबी पहचान और उद्देश्य से ध्यान भटकाने हेतु झूठ गढ़ दिया कि 13वां' धमाका मस्जिद के पास हुआ था। यह प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से हिंदुओं को आतंकवाद से जोडने् का प्रयास था।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गिलानी को श्रद्धांजलि देने वाले विधायकों को शर्म आनी चाहिए

नीरज कुमार दुबे

कट्टरपंथी अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी जिसने जम्मू-कश्मीर को वर्षों तक आतंकवाद और अलगाववाद के घेरे में जकड़े रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पाकिस्तानी शह पर काम करने वाले जिस गिलानी ने कश्मीर के युवाओं के हाथों में पत्थर पकड़ा कर उनका भविष्य बर्बाद किया। जिस अलगाववादी गिलानी ने कश्मीर में बंद के कैलेंडर जारी करवाये। जिस कट्टरपंथी गिलानी ने भारत के राष्ट्रीय ध्वज और भारतीय संविधान के विरुद्ध नारे लगवाये, जिस पाकिस्तान प्रेमी गिलानी ने कश्मीर को विकास और शांति से दशकों तक दूर रखने में अहम भूमिका निभाई, उसी को जम्मू-कश्मीर विधानसभा में श्रद्धांजलि दिया जाना बेहद चौंकाने वाला घटनाक्रम है।

यह सही है कि वह जम्मू-कश्मीर विधानसभा का सदस्य रहा है। कोई भी सदन अपने सदस्य या पूर्व सदस्य के निधन पर उसे श्रद्धांजलि देता ही है लेकिन ऐसा करते समय देश के साथ खड़े रहने वालों और देश का विरोध करने वालों के बीच का अंतर तो देखा ही जाना चाहिए। गिलानी की वजह से हमारे कई सुरक्षा बलों को शहादत देनी पड़ी थी, निर्दोषों को जान गंवानी पड़ी थी इसलिए ऐसे व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने वाले विधायकों को शर्म आनी चाहिए।

हम आपको याद दिला दें कि पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता और जम्मू-कश्मीर में करीब तीन दशकों तक अलगाववादी मुहिम का नेतृत्व करने वाला सैयद अली शाह गिलानी जब मरा था तो पाकिस्तान गम में डूब गया था लेकिन कश्मीर में किसी ने भी जरा-सा भी दुख नहीं जताया था। पाकिस्तान इस बात से बहुत निराश हुआ था कि उसके हाथों में खेलने वाला और उसके एक इशारे पर कश्मीर में सभी गतिविधियों को ठप करवा देने वाला गिलानी इस दुनिया से चला गया लेकिन गिलानी की मौत के बाद कश्मीर में ना तो कोई प्रतिक्रिया हुई थी ना ही उसकी बरसी पर उसे कोई याद करता है। इसलिए सवाल उठता है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में ऐसे देशविरोधी शख्स को श्रद्धांजलि क्यों दी गयी?

हम आपको याद दिला दें कि गिलानी की एक सितंबर, 2021 को मौत हो गई थी। गिलानी की मौत के साथ ही कश्मीर में भारत-विरोधी और अलगाववादी राजनीति के एक अध्याय का अंत हो गया था। गिलानी के परिचय की बात करें तो आपको बता दें कि उसका जन्म 29 सितंबर 1929 को बांदीपुरा जिले के एक गांव में हुआ था। उसने लाहौर के 'ओरिएंटल कॉलेज' से अपनी पढ़ाई पूरी की। 'जमात-ए-इस्लामी' का हिस्सा बनने से पहले उसने कुछ वर्ष तक एक शिक्षक के तौर पर नौकरी भी की। कश्मीर में अलगाववादी नेतृत्व का एक मजूबत स्तंभ माने जाने वाला गिलानी भूतपूर्व राज्य में सोपोर निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार विधायक रहा। उसने 1972, 1977 और 1987 में विधानसभा चुनाव जीता हालांकि, 1990 में कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने के बाद वह चुनाव-विरोधी अभियान का अगुवा हो गया था। वह हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के संस्थापक सदस्यों में से एक था, जो 26 पार्टियों का अलगाववादी गठबंधन था। लेकिन बाद में उन नरमपंथियों ने इस गठबंधन से नाता तोड़ लिया था, जिन्होंने कश्मीर समस्या के समाधान के लिए केन्द्र के साथ बातचीत की वकालत की थी। इसके बाद 2003 में गिलानी ने तहरीक-ए-हुर्रियत का गठन किया। हालांकि, 2020 में गिलानी ने हुर्रियत की राजनीति को पूरी तरह अलविदा कहने का फैसला किया और कहा था कि 2019 में अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करने के केंद्र के फैसले के बाद दूसरे स्तर के नेतृत्व का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा।

जहां तक गिलानी से जुड़े विवादों की बात है तो वह एक नहीं कई थे। भारत विरोधी गतिविधियों के लिए कुख्यात गिलानी का पासपोर्ट 1981 में जब्त कर लिया गया था और फिर पासपोर्ट केवल एक बार 2006 में हज यात्रा के लिए लौटाया गया था। गिलानी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय, पुलिस और आयकर विभाग में कई मामले लंबित थे। गिलानी कश्मीर को बंद रखने वाले कैलेंडर निकालने के लिए जाना जाता था। वह घोषित करता था कि कब-कब कश्मीर घाटी बंद रहेगी लेकिन अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद से गिलानी की भारत विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लग गया था। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने गिलानी के निधन पर अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए शोक व्यक्त करते हुए ऐलान किया था कि ''पाकिस्तान का ध्वज आधा झुका रहेगा और हम एक दिन का आधिकारिक शोक मनाएंगे।%%

बहरहाल, देखा जाये तो पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ''निशान-ए-पाकिस्तान' से सम्मानित किया जा चुका गिलानी भारत में किसी तरह के सम्मान का हकदार नहीं है इसलिए उन विधायकों से सवाल पूछा जाना चाहिए जिन्होंने विधानसभा में गिलानी का गुणगान किया। सवाल पूछा जाना चाहिए कि गिलानी का महिमामंडन कर वह युवा पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहते हैं? क्या गिलानी को सराह रहे विधायक उसकी अलगाववादी नीतियों, बंद के आयोजनों और सुरक्षा बलों पर पत्थर फिंकवाने की राजनीति का समर्थन करते हैं? कश्मीर बड़ी मुश्किल से शांत हुआ है। कश्मीर में दशकों बाद विकास की बयार बह रही है। जनता ने विधायकों को इसलिए चुना है कि वह विकास की रफ्तार को तेज करवायें और उनकी समस्याओं का समाधान करें लेकिन यदि विधायक अलगाववादियों का महिमामंडन करेंगे तो इस क्षेत्र के पुराने दौर में जाने का खतरा बढ़ जायेगा।

भारत की आर्थिक बदहाली

असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता इतनी कमजोर क्यों है कि हर व्यापार मुकाबले में वह पिट जाती है? देश सही दिमागी हालत में हो तो इस सवाल से उसकी नींद उड़ जानी चाहिए। बहुपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों से भारत को नुकसान की आशंका से ग्रस्त नरेंद्र मोदी सरकार ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) करार से अंतिम मौके पर खुद को अलग कर लिया था। तब हौव्वा बनाया गया कि ऐसा समझौते में शामिल अन्य देशों के रास्ते चीन की उत्पादों डंपिंग से बचने के लिए किया गया। उसके बाद मोदी सरकार ने द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों का रास्ता अपनाया। यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन आदि से ऐसे करार हुए। ब्रिटेन सहित कई देशों से द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत चल रही थी। मगर अब अचानक सरकार ने ऐसी सभी वार्ताओं पर विराम लगाने का फैसला किया है। वजह हाल के वर्षों में हुए सभी ऐसे समझौतों से भारत को हो रहे बड़े व्यापार घाटे को बताया गया है।

साथ ही सरकार ने 2010 में आसियान से हुए करार का भी जिक्र किया है, जिसकी वजह से भारत को लगातार व्यापार घाटा हुआ है। कहा जाता है कि उसके परिणामस्वरूप कई भारतीय कारोबार तबाह हो गए। मोदी सरकार ने आसियान से कई बार इस समझौते पर पुनर्विचार को कहा है, जिसे उसे स्वीकार नहीं किया है। इस बीच यूएई से हुए बहुचर्चित करार के बारे में सामने आया है कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में वहां से आयात 52 फीसदी बढ़ा, जबकि निर्यात में सिर्फ 11.45 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसके अतिरिक्त एक नई चिंता यह पैदा हुई है कि इन समझौतों के कारण भारतीय निवेशकों को वहां जाकर निवेश करने के अवसर मिले हैं, जिसका वे खूब लाभ उठा रहे हैं। जबकि भारत को खुद बड़े निवेश की आवश्यकता है। यानी नुकसान ही नुकसान! तो अब खुशफहमियों से निकलने की जरूरत है। असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी।

कनाडा में हिंदुओं पर लक्षित हमलों का जवाब आखिर देगा कौन, पूछ रहे हैं लोग

कमलेश पांडे

लीजिए, कनाडा भी अब पाकिस्तान और बांग्लादेश की राह पर चल पड़ा है। वहां के हिन्दू मंदिर पर भी खालिस्तानियों ने हमला किया है। दुनिया के कई इस्लामिक और ईसाई मुल्कों में ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं। खुद भारत के भी कई राज्यों में ऐसी शर्मनाक घटनाएं पर्व-त्यौहारों पर सामने आती रहती हैं। इसलिए यक्ष प्रश्न है कि हिंदुओं पर लक्षित हमलों का जवाब आखिर कौन देगा, क्योंकि भारत सरकार, भारतीय संसद और भारतीय सुप्रीम कोर्ट धर्मनिरपेक्ष हैं! कड़वा सच तो यह है कि इन सबकी धर्मनिरपेक्षता हिन्दू विरोधी और अल्पसंख्यक समर्थक है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, बल्कि इनके एक्शन से गाहे बगाहे साबित होता आया है। लोग इस बारे में अक्सर पूछते रहते हैं, लेकिन उच्चस्तरीय आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा से लैस ये लोग जबतक जगेंगे, तबतक बहुत देर हो चुकी होगी। वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवन्तु सुखिनः का यह मतलब कतई नहीं होता कि दुनिया भर में हिन्दू पिटते रहें और हमलोग तमाशबीन बनकर बैठे रहें। आपको पता होना चाहिए कि हिन्दू देवी-देवता शस्त्र और शास्त्र से लैस रहते हैं, जिसका सीधा संदेश है कि जब बात तर्क और तथ्य से नहीं सुधरे तो शस्त्र उठाना ही पड़ता है। कहा भी जाता है कि जब जब धर्म की हानि होती है और असुर-अभिमानी बढ़ जाते हैं, तब तब ईश्वर अवतार लेते हैं और दुष्टों का दलन करके सज्जनों की पीड़ा हरते हैं। आज समकालीन दुनिया में जिस-तरह से सत्ता संरक्षित हिंसा-प्रतिहिंसा हो रही है, उसकी समाप्ति भी भारत वर्ष से ही शुरू होगी। लेकिन जो लोग धर्मनिरपेक्ष हैं, वो ऐसा कतई नहीं करेंगे। कहा जाता है कि भारत के धर्मनिरपेक्ष लोग वो महात्मा गांधी हैं, जो एक गाल पर थप्पड़ पड़ते ही दूसरा भी हाजिर कर देने के आदि बन चुके हैं। इसलिए रीढ़ विहीन मुल्क भी भारत को आंख दिखाते रहते हैं। इनके अनुगामियों ने भी पाकिस्तान, बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक में हुए हिन्दू उत्पीड़न के मामले में वही किया। कहीं खामोशी की गहरी चादर, तो कहीं बयानबाजियों की खानापूर्ति। फलतः कभी अमेरिका में भारतीयों को निशाना बनाया गया, तो कभी ब्रिटेन में हमला किया गया और अब कनाडा में किसी भारतीय दूतावास पर या उसके सामने नहीं, बल्कि हिन्दू मंदिर पर एकत्रित लोगों पर हमला हुआ है। चूंकि ईसाई भी मुसलमानों के ही वंशज हैं, इसलिए उनके मुल्क में खालिस्तानी समर्थकों की करतूतों के पीछे पाक कनेक्शन ही होगा, पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई का ही कोई नया कुचक्र होगा, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। पंजाब का खालिस्तान आंदोलन यदि कनाडा में जिंदा है तो इसके पीछे अंतर्राष्ट्रीय साजिश से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। आप मानें या न माने, लेकिन भारत के खिलाफ भी अब उसी तरह के राजनैतिक षड्यंत्र किये जाने लगे हैं, जैसा कि अबतक अमेरिका, रूस और चीन के खिलाफ किए जाते थे। हालांकि, भारत और हिंदुओं को उनकी धर्मनिरपेक्ष सोच की मार ज्यादा पड़ रही है, जिसे हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय ने हम पर जबरिया थोप रखा है। यही वजह है कि हिंदुत्व की रक्षा और विस्तार के लिए हमारे पास वह रणनीति नहीं है, जो कि ईसाई या इस्लाम हुकूमत वाले देशों के पास उनके धर्म के विस्तार के लिए है! सभी हिंदुओं के लिए यह विचारणीय प्रश्न है। कनाडा में जिस तरह

से हिंदू विरोधी साजिश हुई, मंदिर पर हमला हुआ, स्थानीय पुलिस की चुप्पी और महज खानापूर्ति सामने आई है, उससे वहां की भारत विरोधी ट्रूडो सरकार एक बार फिर से सवालों के घेरे में आ चुकी है। जिस तरह से कनाडा के ब्रैम्पटन में खालिस्तान समर्थकों ने एक हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहाँ चल रहे भारतीय कांसुलर कैंप को बाधित करने का प्रयास किया, वह निंदनीय है। भले ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, वह नाकाफी है। भले ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी इस घटना को अस्वीकार्य बताया हो, लेकिन उनकी मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता है। हाल के दिनों की भारतीय-कनाडाई टीका-टिप्पणी भी इसी बात की चुगली करती है। खालिस्तानी समर्थकों के हमले के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इससे भारत और कनाडा के बीच तनानती बढ़ती ही जा रही है। पीएम मोदी ने कहा है कि- मैं कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने के कायरतापूर्ण प्रयास भी उतने ही निंदनीय हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पाएंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का राज कायम करेगी। बता दें कि हाल के महीनों में पीएम मोदी का यह बयान दूसरा उदाहरण है, जब उन्होंने भारत के बाहर हिंदुओं पर कथित हमलों का मुद्दा उठाया है। इस साल अगस्त में, उन्होंने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के समक्ष पड़ोसी देश में सत्ता परिवर्तन के बाद हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने का मुद्दा उठाया था।

वहीं, भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर चिंता जताई है और कनाडा सरकार से सभी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि हम ओंटारियो के ब्रैम्पटन शहर में रविवार को हिंदू सभा मंदिर में कट्टरपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की घटनाओं की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा। वहीं खालिस्तानी समर्थकों के हमले के बीच एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें कथित तौर पर पुलिस को एक हिंदू युवक को पकड़कर हथकड़ी लगाते हुए दिखाया गया, जिसकी तुलना टिप्पणीकारों ने अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की घटना से की।

अशांति और अराजकता फैलाने कांग्रेसियों के घिनौने चेहरे लगातार आ रहे सामने : रेणुका सिंह

प्रदेश में भय और आतंक का माहौल लाना चाहती है कांग्रेस : कृष्ण बिहारी जायसवाल

मीडिया ऑडीटर, बैकुंठपुर/कोरिया एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य में बीते कई महीनों से लगातार कांग्रेस पार्टी द्वारा जो अराजकता फैलाने सहित समूचे प्रदेश को अस्थिर करने का कृत्य किया जा रहा है जिससे प्रदेश में अशांति का माहौल निर्मित करने का प्रयास किया गया है उसको लेकर आज कोरिया जिला मुख्यालय अंतर्गत भाजपा कार्यालय बैकुंठपुर में प्रेसवार्ता ली गई । प्रेसवार्ता में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री व वर्तमान विधायक भरतपुर सोनहत रेणुका सिंह ने कांग्रेस की कारगुज़ारियों को पत्रकारों के सामने रखते हुए कहा की आज जब हम प्रदेश का पचीसवां राज्योत्सव मना रहे हैं, वहीं बड़े ही दुःख और चिंता के साथ कांग्रेस की कारगुजारियों को आपके बीच रखने की विवशता भी है।

प्रदेश में जहां भी अपराध और तनाव जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है, उसकी जड़ में कांग्रेस है। हमारा यह स्पष्ट आरोप है कि कांग्रेस जान बूझ कर छत्तीसगढ़ को आग में झोंकना चाहती है। इसलिए पहले खुद अपराध को अंजाम देती है। षड्यंत्र रचती है। फिर उस पर सरकार को घेरने में उसके बड़े नेता लग जाते हैं। रेणुका सिंह ने कहा कि यह कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर पर तय हुई साज़िश के तहत हो रहा है कि समूचे देश-प्रदेश को अराजकता में धकेल दो, फिर चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करो। भय और आतंक का वातावरण निर्मित करो । छत्तीसगढ़ में भी हर आतंक और अपराध के पीछे कांग्रेस का ही खूनी पंजा है। कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार और छत्तीसगढ़ समेत तमाम राज्यों में हुए सफ़ाये से अब जनता में प्रति बदले की भावना से भरी हुई है। वह समाज में अशांति फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा की अभी दामाखेड़ा में कबीरपंथ ही नहीं समूचे प्रदेश के आस्था के केंद्र में हमला करने वाला भी कांग्रेस का सक्रिय कार्यकर्ता निकला है। इसका प्रमाण स्वयं प्रकाशमुनि साहब के फेसबुक के पोस्ट में है । प्रकाशमुनि साहेब ने अपने फेसबुक पोस्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि इस घटना में भी अपराधी सरपंच पति कांग्रेस पार्टी का ही कार्यकर्ता है । प्रकाशमुनि साहब ने स्पष्ट यह आरोप लगाया है कि दामखेड़ा की घटना को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। कांग्रेस के इस कृत्य की जितनी भर्त्सना की जाय, कम है। प्रेसवार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने कहा की प्रदेश में अशांति और अराजकता कांग्रेस की साजिश है। बलौदाबाजार में किस तरह योजनाबद्ध तरीके से कलेक्टर और एसपी कार्यालय जलाये गये। इस प्रकरण में कांग्रेस के विधायक देवेंद्र यादव के साथ-साथ सैकड़ों कांग्रेसी जेल में बंद हैं। महीनों बाद भी किसी अदालत ने इन्हें अगर जमानत देने लायक भी नहीं पाया है तो समझा जा सकता है कि इनके खिलाफ साक्ष्य कितने मजबूत हैं। ठीक इसी तरह सूरजपुर में पुलिस अधिकारी की पत्नी और बच्चे की जघन्य हत्या करने वाला एनएसयूआई का ज़िला महासचिव था तथा एनएसयूआई का जिलाध्यक्ष भी इस घृणित कृत्य में ज़िम्मेदार था। इस घिनौने कृत्य पर भी कांग्रेस उल्टे चोर कोतवाल को डाँटे की तर्ज़ पर राजनीति कर रही थी। सवाल उठता है कि क्या ये अब अपनी गंदी राजनीति चमकाने के लिए नरसंहार आदि को भी प्रायोजित करने से बाज नहीं आ रहे हैं? यह प्रश्न निराधार तो नहीं लगता। अगर ऐसा है, जो कि लग रहा है तो साफ कहा जा सकता है कि कांग्रेस अब एक गिरोह में बदल चुकी है। लोहारीडीह कांड में भी बार बार गाँव में अशांति फैलाने और दो समूहों को लड़वाने का काम कांग्रेस कर रही है। यदि उन्हें पता है कि दोषी और निर्दोष कौन है तो बता दे पुलिस को या पुलिस को जाँच करने दे। यही नहीं केशकाल में युवा कांग्रेस का ब्लॉक उपाध्यक्ष 500 रुपये के लाखों के नक़ली नोट के साथ पुलिस के गिरफ़्त में है। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए विधायक रेणुका सिंह ने कहा की

कांग्रेस के नेता और उनसे संबंधित अधिकारियों पर कोयला घोटाला, शराब घोटाला, पीएससी घोटाला, महादेव घोटाला आदि के आरोप हैं।

कांग्रेस की इन कृत्यों को छत्तीसगढ़ क़तई सहन नहीं करेगा। भाजपा की हमारी सरकार तो प्रदेश में हर क़ीमत पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए कटिबद्ध है ही, हमारा संगठन भी लोकतांत्रिक तरीक़े से कांग्रेस का मुक़ाबला करने तैयार है। साथ ही विधायक रेणुका सिंह ने कहा की। कांग्रेस को स्पष्ट चेतावनी दी जा रही है कि वह अपने कृत्यों से बाज आये, अन्यथा उससे हर स्तर पर दो-दो हाथ करने भाजपा के कार्यकर्ता तैयार हैं। कांग्रेस को प्रदेश में अशांति, अराजकता और आतंक फैलाने और फिर उस आग पर अपना हाथ सेंकने की छूट हम बिल्कुल नहीं दे सकते।

दामाखेड़ा की कबीरपंथ के आचार्य जी के निवास में हुए हमले की हम घोर भर्त्सना करते हैं और इसके पीछे के षड्यंत्र की पता लगा कर दोषियों को चाहे वह कितना ही बड़ा कांग्रेसी क्यों न हो, सलाख़ों के पीछे भिजवाने बिना भाजपा चैन से नहीं बैठेगी। प्रेसवार्ता में विधायक भरतपुर सोनहत रेणुका सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता विनोद साहू, जिला संवाद प्रभारी विमलकांत गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी अजीत पाटकर , बैकुंठपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष कुबेर साहू, पटना मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल शामिल रहे ।

धारदार हथियार से युवक की हत्या

मारकर गांव के नजदीक फेंका शव, नक्सली वारदात या आपसी रंजिश, जांच में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के गोंडेरास गांव में एक युवक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद शव को गांव के नजदीक लाकर फेंक दिया। हालांकि, यह नक्सली वारदात है या फिर आपसी रंजिश यह अभी स्पष्ट नहीं है। मामला गादीरास थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि, आज मंगलवार की सुबह गोंडेरास गांव के बाहर खून से सना ग्रामीण बंडी शव मिला था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। परिजन और ग्रामीण शव उठाकर घर ले गए। वहीं, इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। गांव वालों का कहना है कि, युवक रात से घर नहीं लौटा था। सुबह उसका शव मिला है।

जांच में जुटी पुलिसः शव मिलने की जानकारी मिलते ही पुलिस जवान गांव पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। सुकमा एसपी किरण चव्हाण का कहना है कि, ये नक्सली हत्या है या फिर आपसी रंजिश है, इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा।

पत्नी ने तलाक मांगा तो फंदे पर झूला पति

दोनों के बीच 5 साल से थी अनबन, शिकायत करने जा रही थी थाने

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भिलाई में पारिवारिक विवाद के बाद पत्नी शिकायत करने थाने गई, तो पति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि, पत्नी उससे तलाक लेना चाहती थी, लेकिन पति इसके लिए राजी नहीं था। इसलिए दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होते रहती थी। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हीरालाल साहू (40) घासीदास नगर बॉम्बे आवास में रहता था। वो मकान ठेकेदारी का काम करता था। हीरालाल का एक बेटा और बेटी है।

पति-पत्नी के बीच चल रही थी अनबनः दोनों की शादी करीब 18 साल पहले हुई थी, इनके 17 साल की लड़की और 15 साल एक लड़का भी है। हीरालाल और सुशीला साहू के बीच पिछले 5-6 सालों से अनबन चल रही थी। आए दिन विवाद होने के कारण तलाक की स्थिति आ गई थी। पत्नी बार-बार उससे तलाक मांग रही थी। लेकिन हीरा लाल उसे तलाक नहीं दे रहा था। इसी बात को लेकर सोमवार दोपहर दोनों के बीच फिर झगड़ा हुआ।

शिकायत करने जा रही थी थानेः इसके बाद तंग आकर करीब 12.30 बजे पत्नी उसकी शिकायत करने थाने के लिए निकल गई। वो थाने भी नहीं पहुंची थी कि, उसका बेटा दौड़ता हुआ आया और बताया कि, पिता ने फांसी लगा ली है। पत्नी जब घर पहुंची तो देखा कि हीरालाल कमरे के अंदर फंदे से लटक रहा था।

परिजनों का सौंपा गया शवः उसने जामुल पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने मोहल्ले के लोगों के सामने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा। उसे लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

तलाक देने पति मांग रहा था पैसे- पत्नीः पत्नी ने पुलिस को बताया कि, वो अपने पति से तलाक चाह रही थी, लेकिन वो तलाक नहीं दे रहा था। पिछले कुछ दिनों से हीरालाल उससे कह रहा था कि, उसे एक लाख रुपए देगी, तभी वो तलाक देगा। पैसे नहीं होने की वजह से वो देने से मना कर रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

कोरिया नीर के बंद होने से खोंगापानी निवासियों में खलबली

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। विकास पांडेय ने बताया की आज नगर पालिका मनेंद्रगढ़, नगर पंचायत खोंगापानी, नगर पंचायत झगराखांड व नगर पंचायत लेदरी के बंद कोरिया नीर को पुनः शुरू करने के लिए कलेक्टर महोदय को आवेदन दिया गया है। विकास पांडेय ने आगे कहा कि, शासन द्वारा क्षेत्र के लोगों को पीने के साफ व स्वक्ष पानी की व्यस्था मुहैया कराने के लिए "कोरिया नीर" की शुरुआत की गयी थी।

जिसमें सरकारी मद के द्वारा प्रमुख जगहों को चिंहित करके साफ और शुद्ध पानी देने वाली मशीन लगायी गयी। मगर दुर्भाग्य से आज आधे से ज्यादा कोरिया नीर बंद पड़े हैं और लोगों को शुद्ध पीने के पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। विकास पांडेय ने बताया कि, जो पानी पीएचई विभाग द्वारा घरों तक पहुंचाया जा रहा है, उसकी भी गुणवत्ता इतनी अच्छी नहीं है की उसे सीधा पीने के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। मनेंद्रगढ़ जैसे छोटे शहर में लगातार कैंसर के मरीज बढ़ रहे हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि इस क्षेत्र का पानी सीधे पीने लायक तो बिल्कुल भी नहीं है।

पानी की सफ़ाई के नाम पर जो एलम इस्तेमाल किया जाता है. उसकी भी आधे से ज्यादा राशि कमीशन खोरी में चली जा रही है। नगर पालिका मनेंद्रगढ़ समेत सभी नगर पंचायत के किसी भी दल के, किसी भी राजनैतिक प्रतिनिधि को इस क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ की कोई चिंता नहीं है, जो की दुर्भाग्यपूर्ण है।

विकास पांडेय ने कहा कि, यह मामला सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा है। हमने ज्ञापन के द्वारा कलेक्टर महोदय से निवेदन किया है की नगर पालिका मनेंद्रगढ़, नगर पंचायत खोंगापानी, नगर पंचायत झगराखांड व नगर पंचायत लेदरी के सभी बंद "कोरिया नीर" को पुनः शुरू करवाया जाये. आम आदमी पार्टी लोगों से जुड़े मुद्दों पर लड़ाई लड़ने में हमेशा प्रथम पंक्ति में रही है चाहे वह स्वास्थ्य विभाग का मामला हो या फिर नगर पंचायत झगराखांड में 4 महीने से बंद पानी के सप्लाई को शुरू कराने का जनहित से जुड़े मुद्दों के लिए आगे भी पार्टी सड़कों पर संघर्ष करती रहेगी।

करंट से हाथियों की मौत पर हाईकोर्ट सख्त

बिलासपुर एजेंसी। रायगढ़ जिले के घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के साथ ही अचानकमार टाइगर रिजर्व एरिया में हाथियों की बिजली करंट से मौत पर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने वन्य प्राणियों की मौत को जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है।

साथ ही राज्य शासन के ऊर्जा विभाग के सचिव और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर को शपथ पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए।

नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत

चार दिन चलेगी पूजा, एशिया का सबसे बड़ा स्थायी घाट, सूर्यकुंड में 51 नदियों का पानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। देशभर समेत छत्तीसगढ़ में आज से नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत हो गई है। अब चार दिन छठ पूजा चलेगी। दुर्ग, सरगुजा, रायगढ़ और जगदलपुर समेत तमाम जिलों में छठ घाट बनाए गए हैं। वहीं बिलासपुर में एशिया का सबसे बड़ा स्थायी छठ घाट बनाया गया है। तोरवा छठ घाट मुंबई के जुहू से भी बड़ा है, जो साढ़े 7 एकड़ में फैला हुआ है।

इस छठ घाट में पुलिस चौकी, लाइटिंग, पार्किंग स्थल, सामुदायिक भवन और गार्डन बनाए गए हैं। वहीं भिलाई में सूर्यकुंड बनाया गया है, जहां 51 नदियों का पानी डाला गया है। यहां व्रती सूर्य देव और छठी मैया की पूजा कर रहे हैं।

बिलासपुर में एशिया का सबसे बड़ा स्थायी घाटः बिलासपुर जिले में तोरवा स्थित छठ घाट एशिया का सबसे बड़ा स्थायी और व्यवस्थित घाट है, जहां 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु एक साथ छठ पूजा करने आते हैं। त्योहार से पहले यहां अरपा नदी की महाआरती की जाएगी। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में छठ पर्व ज्यादा मनाया जाता है, लेकिन पिछले एक दशक से छत्तीसगढ़ में भी उत्साह देखा जा रहा है।

एक किलोमीटर एरिया में पूजा और अर्घ्यः बिलासपुर जैसा स्थायी और बड़ा घाट पर्व का उ–म स्थल बिहार में भी नहीं है। छठ मुख्य रूप से बिहार प्रांत का पर्व है। समिति के पदाधिकारी बताते हैं कि, अकेले पटना में 82 घाट हैं, लेकिन सभी घाटों का एरिया महज 100 से 200 मीटर ही है।

तोरवा में एक किलोमीटर एरिया में पूजा और अर्घ्य के लिए बेदी बनाई गई है। यहां छठ घाट की साफ-सफाई और रंग-रोगन किया गया।

मुंबई के जुहू को माना जाता है बड़ा छठघाटः पूजा स्थल के लिहाज से मुंबई के जुहू स्थित चौपाटी को सबसे बड़ा घाट माना जाता है, लेकिन यह स्थायी नहीं है। तोरवा छठ घाट स्थायी है। बाकी राज्यों में पूजा स्थलों पर पर्व के दौरान महज तीन दिन व्यवस्था बनाई जाती है।

भिलाई में बना सूर्य कुंड गंगा घाट बैकुंठधाम तालाबः भिलाई के कैंप-1 में स्थित बैकुंठधाम मंदिर के सामने एक भव्य तालाब का निर्माण किया गया है। इस तालाब का नाम 'सूर्यकंड गंगा घाट बैकुंठ धाम तालाब' रखा गया है, जिसमें 51 नदियों का पानी डाला गया है। इसके बाद यहां धूमधाम से छठ पर्व मनाया जाएगा। यह त्योहार चार दिनों तक चलेगा।

इन नदियों का मिलाया गया पानीः बैकुंठधाम तालाब में गंगा नदी, व्यास, साबरी, स्वर्ण रेखा, अरुणावती, यमुना, रामगंगा, इंद्रावती, कामली, सरस्वती और अलखनंदा नदी समेत 51 नदियों का जल इकट्ठा किया है। जिले में छोटे-बड़े मिलकर लगभग 7-8 छठ घाट हैं। इसमें सेक्टर-2 बैकुंठधाम तालाब, कुरुद नकटा तालाब, हाऊसिंग बोर्ड सूर्य-कुण्ड और दुर्ग में स्थित हैं।

कुरुद नकटा तालाब भी जगमगायाः बैकुंठधाम तालाब के साथ कुरुद ढांचा भवन में छठ पर्व के लिए प्रसिद्ध नकटा तालाब का भी सौंदर्यीकरण किया गया। यहां तालाब की साफ-सफाई के बाद चारों तरफ लाइट और पेवर ब्लॉक लगाने का काम किया गया। इससे इस तालाब की सुंदरता भी बढ़ गई है।

सरगुजा में छठ घाटों पर हजारों व्रती एक साथ करेंगे सूर्य की उपासनाः अंबिकापुर के शंकरघाट, श्याम घुनघुट्टा, शिवसागर तालाब (मौलवी) बांध, बिशुनपुर, महामाया तालाब, जेल तालाब सहित कई घाटों पर छठ पर्व की तैयारी की गई है। जहां एक साथ हजारों की संख्या में व्रती सूर्य की उपासना कर रही हैं।

ठंड को देखते हुए रात्रि जागरण करने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलाव की व्यवस्था भी रहेगी। शहर के प्रमुख गुदरी बाजार में छठ पूजन सामान की दुकानें सज गई हैं।

मालिक की भांजी से नाबालिग ने बनाए शारीरिक संबंध

बाइक पर घूमते थे, हॉस्टल से ले जाता था होटल, दुष्कर्म का केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भिलाई में 16 साल के नाबालिग ने 14 साल की नाबालिग से रेप किया है। लड़की के मामा के यहां लड़का काम करता था। दोनों के बीच दोस्ती हुई, फिर नजदीकियां बढ़ गई। वो रात में लड़की को होटल ले जाता था, जहां शारीरिक संबंध बनाए। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

छावनी पुलिस के मुताबिक, लड़की के मौसा और मामा की एक टेडर्स की दुकान है। वो 10वीं में पढ़ती है और दुर्ग के हॉस्टल में रहती है। छुट्टियों पर हमेशा अपने मामा के घर आ जाती थी। जहां दोनों की मुलाकात हुई।

बाइक पर घूमते थे दोनों: पिछले 3-4 महीने से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई। दोनों फोन पर बातें करने लगे। वो लड़की को रात में हॉस्टल लेने दुर्ग पहुंच जाता। इसके बाद दोनों बाइक से रात भर घूमते थे, फिर सुबह उसे हॉस्टल छोड़ देता था।

पावर हाउस में होटल बुक कर उसने लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद यह सिलसिल शुरू हो गया। दूसरी बार जब दोनों होटल पहुंचे तो लड़की के घरवालों को पता चल गया।

छावनी थाने में दर्ज कराई एफआईआरः परिजनों ने पहले दोनों को फटकार लगाई, फिर छावनी थाने पहुंचकर दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई है। छावनी पुलिस ने रेप की पुष्टि के लिए लड़की का सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में मुलाहिजा भी कराया है।

पकड़े जाने के डर से पहले से बुक कर लेता था होटलः लड़का इतना शातिर था कि, यदि लड़की के साथ होटल में कमरा लेने जाएगा, तो होटल संचालक दोनों का आधार और परिचय मांगेगा। इसलिए वो सुबह से ही होटल में रूम अपने नाम पर बुक कर लेता था। दिनभर रहता था। इससे होटल वाले को शक नहीं होता था। इसके बाद रात में बाइक से जाकर लड़की को लेकर आ जाता था। सुबह तड़के उसे हॉस्टल छोड़ देता था।

'दोस्तों से कहता था आत्महत्या करने पर कैसा लगता है'

डैम में मिली युवक की लाश, दो दिन से था लापता, सुसाइड की आशंका

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के पाकुट डैम में एक युवक का शव मिला है। वो दो दिन से लापता था। अपने दोस्तों से आत्महत्या करने पर कैसा लगता है पूछता था। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने डैम में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शव बरामद किया। घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, कुर्रा निवासी 17 वर्षीय नीलेश नायक 3 नवंबर को घर से निकला और रात तक वापस नहीं लौटा। ऐसे में परिजनों ने लैलूंगा थाने को इसकी सूचना दी। जिसके बाद उसकी खोजबीन शुरू की गई। तभी लोगों से जानकारी मिली कि वह लैलूंगा के खम्हार डैम के जांभर में पाकुट डैम की ओर जाता देखा गया है।

पुलिस जब डैम पहुंची तो यहां उसकी बाइक और चप्पल मिली। जिसके बाद आशंका जताई गई कि वह डैम में डूब गया है। लैलूंगा पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने सोमवार को डैम में रेस्क्यू शुरू किया।

सुबह डैम के किनारे मिला शवः रात तक उसका कोई पता नहीं चल सका। सुबह फिर से एसडीआरएफ की टीम डैम में रेस्क्यू करने उतरी और करीब 10 बजे उसका शव किनारे मिला। जिसे बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवाया गया है।

दोस्तों से आत्महत्या की बातें शेयर करता थाः बताया जा रहा है कि, पूछताछ में यह पता चला कि वह अपने दोस्तों से आत्महत्या करने से कैसा लगता है, यह सवाल कर रहा था। जिसके बाद संभावना यह भी जताई जा रही है कि उसने सुसाइड किया है। हालांकि युवक के मौत के कारणों का अभी कुछ पता नहीं चल सका है।

पीएम रिपोर्ट के बाद होगा खुलासाः इस मामले में लैलूंगा थाना प्रभारी राजेश कुमार जांगड़े ने बताया कि, शरीर पर कहीं चोट के निशान नहीं है। मामला सुसाइड का लग रहा है, लेकिन पीएम रिपोर्ट के बाद उसकी मौत का खुलासा हो सकेगा।

चर्च के उद्घाटन से पहले बवाल

हिंदूवादी-संगठन ने जताया विरोध, आदिवासी समुदाय का कार्यक्रम रद्द, हनुमान चालीसा का पाठ करने पर अड़े कार्यकर्ता

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के धर्म नगरी रतनपुर में चर्च के उद्घाटन को लेकर सोमवार को जमकर बवाल हुआ। हिंदूवादी संगठनों ने धार्मिक नगरी में चर्च शुरू करने का विरोध जताया। हालांकि, बवाल को देखते हुए आयोजकों ने कार्यक्रम को रद्द कर दिया है।

वहीं, हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता चर्च स्थल पर हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए अड़ गए हैं। इधर, हंगामा और विरोध प्रदर्शन को देखते हुए रतनपुर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

आज होना था उद्घाटनः दरअसल, रतनपुर के बंगलाभाठा गांव में क्रिश्चियन समुदाय के लोगों ने आदिवासी समुदाय प्रार्थना घर के नाम से चर्च का निर्माण कराया है। तय कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार की सुबह 11.30 बजे से प्रार्थना सभा घर के समर्पण यानी उद्घाटन कार्यक्रम होना था। इसमें बिशप डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़ के सुषमा कुमार के साथ ही कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव शामिल होने वाले थे।

हिंदूवादी संगठनों ने जताया विरोध, कार्यक्रम को कियाः इधर, हिंदूवादी संगठनों को धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी रतनपुर में चर्च शुरू करने की भनक लगी। तब उन्होंने भाजपा के हिंदूवादी नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव के नेतृत्व में विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। धीरे-धीरे कर हिंदूवादी संगठन के नेता और कार्यकर्ता एकत्रित होने लगे। जिस पर आयोजकों ने चर्च का उद्घाटन कार्यक्रम रद्द कर दिया।

पुलिस अफसर और जवानों की लगी ड्यूटीः रतनपुर में इस बवाल को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अफसरों ने आयोजकों के साथ ही हिंदूवादी संगठनों से चर्चा की।

वोटिंग से 8 दिन पहले झारखंड में सीबीआई रेड

रांची/साहेबगंज (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग से 8 दिन पहले सीबीआई ने मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बड़ी कार्रवाई की है। 1200 करोड़ रुपए के अवैध खनन मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार में 16 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इसमें झारखंड के 3 जिले साहिबगंज, पाकुड़, राजमहल में रेड जारी है। इसके अलावा कोलकाता और पटना में भी टीम जांच कर रही है। एएनआई के अनुसार, सीबीआई ने छापेमारी के दौरान अलग-अलग जगहों से 50 लाख रुपए कैश, एक किलो सोना और सवा किलो चांदी जब्त किया है। सूत्रों के अनुसार, मिर्जाचौकी के रंजन वर्मा के यहां से छह लाख रुपए कैश और सवा किलो तक चांदी बरामद हुआ है। उधवा के कारोबारी महताब आलम के यहां से माइनिंग से संबंधित कागजात, पासबुक और रिवाल्वर का पेपर एजेंसी ने जब्त की है। एजेंसी ने जिन लोगों के यहां रेड मारी है, वे सभी पंकज मिश्रा के करीबी बताए जाते हैं। मिश्रा झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि रह चुके हैं। साहिबगंज में छह लोगों राजमहल उधवा के बड़े कारोबारी महताब आलम, मिर्जाचौकी के रंजन वर्मा, संजय जायसवाल, बरहरवा के सुब्रतो पाल, पत्थर व्यवसायी टिंकल भगत, अवध किशोर सिंह उर्फ पतरु सिंह, बरहरवा के भगवान भगत और कृष्णा शाह के यहां छापेमारी जारी है।

खड़गे का योगी को जवाब- बांटने वाले भी तुम

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ के जब भी बंटे हैं, बेरहमी से कटे हैं बयान पर कहा कि बांटने वाले भी तुम हो और काटने वाले भी तुम हो। खड़गे ने कहा कि ये बीजेपी-आरएसएस का एजेंडा है, जब तक आप उनका एजेंडा नहीं तोड़ेंगे वो आपका शोषण करते रहेंगे। झारखंड में कोडरमा की चुनावी सभा में योगी ने कहा, देश का इतिहास गवाह है जब भी बंटे हैं, बेरहमी से कटे हैं। दरअसल योगी ने 26 अगस्त को आगरा की एक सभा में कहा था %राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं। राष्ट्र तभी सशक्त होगा, जब हम एक होंगे। बांग्लादेश में देख रहे हैं न, वो गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए...बंटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे-नेक रहेंगे। सुरक्षित रहेंगे और समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचेंगे। झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में योगी का यह बयान मुद्दा बन गया है। विपक्ष इसे लेकर भाजपा और आरएसएस पर हमलावर है।

मालेगांव केस सुनने वाली कोर्ट को ब्लास्ट की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मालेगांव बम विस्फोट मामले में सुनवाई कर रही स्पेशल एनआईए कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एक सरकारी वकील ने मंगलवार को बताया कि 30 अक्टूबर को कोर्ट के रजिस्ट्रार ऑफिस में फोन कॉल आया था। कॉलर ने कहा, मामले की सुनवाई वाले कोर्ट रूम नंबर 26 को बम से उड़ा देंगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले की सुनवाई दक्षिण मुंबई के सिविल कोर्ट में चल रही है। इधर, स्पेशल एनआईए कोर्ट ने मामले में आरोपी नंबर एक भाजपा नेता प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ पेशी पर न आने के लिए जमानती वारंट जारी किया। प्रज्ञा मेडिकल कंडीशन का हवाला देकर 4 जून से कोर्ट की कार्रवाई में शामिल नहीं हुई हैं। मंगलवार को स्पेशल जज एके लाहोटी ने ठाकुर के खिलाफ 10,000 रुपए का जमानती वारंट जारी करते हुए कहा कि फाइनल बहस चल रही थी और आरोपी का कोर्ट रूम में होना जरूरी है। यह वारंट 13 नवंबर तक वापस किया जा सकता है, जिसका मतलब है कि ठाकुर को तब तक अदालत में पेश होना होगा और इसे रद्द करवाना होगा। जस्टिस लाहोटी ने कहा कि बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने के आधार पर छूट के लिए उनके पिछले आवेदनों पर समय-समय पर विचार किया गया था।

सिविल सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण का अनुसमर्थन :मुख्यमंत्री यादव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष उपबंध) नियम, 1997 में मुख्यमंत्री के आदेश दिनांक 13.09.2023 एवं इसके परिपालन में विभाग द्वारा जारी अधिसूचना 3 अक्टूबर, 2023 का अनुसमर्थन किया गया। इस निर्णय से महिला आरक्षण 35 प्रतिशत होगा। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2024-25 में (खरीफ एवं रबी सीजन में) 254 नए उर्वरक विक्रय केन्द्र स्थापित करने पर मानव संसाधन पर होने वाली संभावित व्यय की वास्तविक राशि अधिकतम 1 करोड़ 72 लाख रूपये की सीमा तक की प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया। मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुड़ा ताप वि?द्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 (410) मेगावाट) एवं विद्युत गृह क्रमांक 3 (420 मेगावाट) में स्थापित इकाइयों को रिटायर (डी-कमीशन) किये जाने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 में स्थित इकाई क्रमांक 6 एवं 7 (200 + 210 मेगावॉट) एवं विद्युत गृह क्रमांक 3 में स्थित इकाई क्रमांक 8 एवं 9 (2ङ्ग210 मेगावॉट) द्वारा रूपांकित आयु पूर्ण कर ली गई हैं। ये इकाइयों लगभग 39 से 44 वर्षों से संचालन में हैं। इन इकाइयों की स्थिति एवं प्रदर्शन के दृष्टिगत म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा इन इकाइयों को रिटायर (डी-कमीशन) किये जाने की चाही गई अनुमति मंत्रि-परिषद ने प्रदान की है। निर्णय अनुसार सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 एवं 3 में स्थित इकाई क्रमांक 6 से 9 (कुल क्षमता 830 मेगावॉट) को 30 सितम्बर, 2024 से रिटायर (डी-कमीशन) किये जाने की अनुमति प्रदान की गई। रिटायर (डी-कमीशन) इकाइयों का डिस्पोजल ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जायेगा। इन इकाईयों के स्थान पर 660 मेगावॉट क्षमता की नवीन अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई (इकाई क्रमांक 13) की स्थापना के लिए म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा फिजिबिलिटी स्टडी करायी जायेगी। मंत्रि-परिषद द्वारा नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी को दृष्टिगत रखते हुए सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष से बढ़ाकर 50 वर्ष करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। म.प्र. सह चिकित्सीय परिषद अधिनियम, 2000 को निरस्त करने की कार्यवाही को लंबित रखते जाने तथा राष्ट्रीय आयोग द्वारा अधिनियम अंतर्गत प्रावधानित विनियम (रेगुलेशन) जारी होने के उपरांत विनियम के अनुरुप मध्यप्रदेश अलाइड एण्ड हेल्थ केयर कौंसिल ?द्वारा स्वशासी बोर्ड्स के गठन होने पर पुनर्जीवित मध्यप्रदेश सह चिकित्सीय परिषद स्वत: समाप्त हो जायेगी

एवं मंत्रि-परिषद् के पूर्व में लिये गये निर्णय अनुसार मध्यप्रदेश सह चिकित्सीय परिषद अधिनियम 2000 को निरस्त करने की कार्यवाही की जाने की स्वीकृति मंत्रि-परिषद द्वारा दी गई।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा का पहला शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा। यह जानकारी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को दी। सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इसमें वन नेशन-वन इलेक्शन और वक्फ विधेयक समेत कई बिल पेश होने के आसार हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है। 18वीं लोकसभा का पहला मानसून सत्र 22 जुलाई से 9 अगस्त तक चला था। पूरे सत्र में कुल 15 बैठकें हुईं, जो लगभग 115 घंटे तक चलीं थी। सत्र के दौरान सदन की प्रोडक्टिविटी 136त्न रही। इसी सत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को सदन में केंद्रीय बजट 2024-2025 पेश किया। इस पर कुल 27 घंटे और 19 मिनट तक चर्चा चली, जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया। सत्र में कुल 65 प्राइवेट मेम्बर बिल भी पेश किए गए थे। इसके अलावा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि, इस सत्र के दौरान देश के कई हिस्सों में आए लैंडस्लाइड, बाढ़ और जान-माल के नुकसान पर भी चर्चा हुई। साथ ही ओलिंपिक में भारत की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। वक्फ एक्ट संशोधन बिल पेश, लेकिन अब जेपीसी में 8 अगस्त को लोकसभा में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ कानून (संशोधन) बिल पेश किया था।

कश्मीर के बांदीपोरा में एनकाउंटर, एक आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के बांदीपोरा के केटसुन फॉरेस्ट एरिया में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षाबलों को बांदीपोरा के चूंटपाथरी फॉरेस्ट में आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी। जिसके बाद इलाके की घेराबंदी की गई और तलाशी अभियान शुरू किया गया। सर्चिंग के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आतंकी मारा गया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-सरकारें सभी प्राइवेट प्रॉपर्टी पर कब्जा नहीं कर सकतीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या सरकार आम लोगों की भलाई के लिए निजी संपत्तियों का संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है? इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को 1978 (45 साल पहले) में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया। सीजेआई की अध्यक्षता वाली 9 जजों की बेंच ने 7-2 के बहुमत वाले फैसले में कहा, हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संपत्तियों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती है। बेंच ने 1978 में दिए जस्टिस कृष्ण अय्यर के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था, सभी निजी संपत्तियों पर राज्य सरकारें कब्जा कर सकती हैं। सीजेआई बोले- पुराना फैसला विशेष आर्थिक, समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। हालांकि राज्य सरकारें उन संसाधनों पर दावा कर सकती हैं जो भौतिक हैं और सार्वजनिक भलाई के लिए समुदाय द्वारा रखे जाते हैं।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह फैसले पर एकमत थे। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फैसले से आंशिक रूप से असहमति जताई, जबकि जस्टिस सुधांशु धूलिया ने सभी पहलुओं पर असहमति जताई।

हिन्दुओं को जातियों में बांटने की अखिलेश की कोशिश होगी नाकाम-भाजपा

देवरिया (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह ने मंगलवार को कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव की हिन्दू समुदाय को जाति में बांटने की कोशिश सफल नहीं हो पायेगी। श्री सिंह ने कहा कि 'एक रहेंगे तो नेक रहेंगे' के नारे ने अखिलेश यादव की नींद उड़ा दी है।

उनकी बैचैनी का आलम यह हैं कि अब तो उनके 'नवरत्न' भी उनको सुझाव नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा सब लोग जानते थे कि अखिलेश की पार्टी का नाम समाजवादी और काम समाजबाटी का है। जब जनता के बीच भेद खुल गया तो अब वे अब हिन्दुओं को जाति में बांटने का काम करने लगे। वे जनता को भ्रमित करने के लिए रोज नये नारे गढ रहे हैं, लेकिन उनकी यह कोशिश निरर्थक साबित हो रही है । भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि एक विशेष वर्ग को खुश करने के लिए सपा के राम चरित मानस की प्रतियां जलाना, साधु सन्यासियों का अपमान, राम भक्तों पर गोली, भगवान् श्री राम को हवा में उड़ाने और मठ माफियाओं को जोड़ने के प्रयास को जनता अब जान चुकी है।

शरद पवार का चुनावी राजनीति से संन्यास का संकेत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के संकेत दिए हैं। पवार ने कहा है कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, हालांकि पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। यानी एनसीपी (एसपी) चीफ के पद पर काम करते रहेंगे। 84 साल के शरद पवार ने बारामती में मंगलवार को कहा, कहीं तो रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि राज्यसभा जाना है या नहीं। 1960 में शरद पवार ने राजनीतिक करियर की शुरुआत की 1960 में शरद पवार ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। 1960 में कांग्रेसी नेता केशवराव जेधे का निधन हुआ और बारामती लोकसभा सीट खाली हो गई। उपचुनाव में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी पीडब्ल्यूपी ने शरद के बड़े भाई बसंतराव पवार को टिकट दिया, जबकि कांग्रेस ने गुलाबराव जेधे को उम्मीदवार बनाया। उस वक्त वाईबी चव्हाण महाराष्ट्र के सीएम थे। उन्होंने बारामती सीट को अपनी साख का मुद्दा बना लिया था।

इस बार फिर झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार लाना है : खड़गे

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान को चुनौती दी, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा था कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आखिर सच बोल गए कि अनाप-शनाप योजनाओं के कारण कांग्रेस का ये हाल हुआ है। श्री खड़गे ने आज झारखंड के मांडू में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री श्री मोदी को चुनौती देता हूं कि जो बातें मैंने बेंगलुरु में कही और जो वादे किए, उनमें से कितने पूरे हुए, इसका हिसाब भी दे सकता हूं। श्री खड़गे ने कहा कि भाजपा और एनडीए कांग्रेस की कॉपी करती है। उनकी एक भी योजना अपनी नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हमलोगों ने भाग्यलक्ष्मी योजना लेकर आए, उसी की नकल गोगो दीदी और लाडली बहना योजना है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के वादों का कद भी उनके ही जैसा है।जब नापो तब कम निकलता है।सोनिया गांधी ने गरीबों का पेट भरने की गारंटी दी थी।

एशिया को मजबूत बनाने के लिए बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा हो: मुर्मु

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न संकटों से गुजर रहे विश्व को की सहायता के लिए बौद्ध समुदाय के पास बहुत ज्ञान और शिक्षाएं हैं तथा एशिया को मजबूत बनाने के लिए भी बौद्ध धर्म की भूमिका के बारे में चर्चा करने की आवश्यकता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा, वास्तव में, हमें इस बारे में विस्तार से चर्चा करनी होगी कि बुद्ध धर्म एशिया और दुनिया में शांति, वास्तविक शांति कैसे ला सकता है - ऐसी शांति, जो न केवल शारीरिक हिंसा से बल्कि सभी प्रकार के लालच और घृणा से भी मुक्त हो - बुद्ध के अनुसार, ये दो मानसिक शक्तियां हमारे समस्त दुखों का मूल कारण हैं। वह यहां प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। इस सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया।

राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, यह शिखर सम्मेलन बुद्ध की शिक्षाओं की हमारी साझा विरासत के आधार पर हमारे सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में दूरगामी प्रभाव उत्पन्न करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि आज जब दुनिया कई मोर्चों पर अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है।

जयशंकर बोले- चीन से डिसइंगेजमेंट चैप्टर खत्म

कैनबरा (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को बताया कि चीन के साथ डिसइंगेजमेंट चैप्टर अब खत्म हो गया है। दोनों देशों की सेनाएं एलएसी से लगे देपसांग और डेमचोक के विवादित क्षेत्र से अपनी वापसी का काम पूरा कर चुकी हैं। अब मामला काफी आगे बढ़ चुका है। जयशंकर कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पैनी वोंग के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। जयशंकर ने कहा- डिसइंगेजमेंट पूरा होने के बाद अब दोनों देशों का फोकस डी-एस्केलेशन पर होगा। इसके लिए विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की जल्द ही बैठक होगी। जयशंकर ने किसी तारीख का जिक्र नहीं किया। सैनिकों की संख्या कम करना चुनौती प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, 'एक बार जब सैनिकों के सीमा से पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तो हमारे पास अन्य चुनौतियां होंगी। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों में दोनों ओर सैनिकों की संख्या कम करना भी शामिल है। जयशंकर बोले- ब्रिक्स की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत हुई है। इसमें दोनों देशों ने अपने विदेश मंत्री और एनएसए के बीच बैठक को लेकर सहमति दी है। पीएम मोदी ने तब कहा था कि दोनों देशों के संबंध हमारे लोगों, वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए जरूरी हैं। 2020 में बिगड़ने शुरू हुए थे रिश्ते भारत, चीन के साथ 3 हजार 440 किमी लंबा बॉर्डर साझा करता है। दोनों देशों के बीच 2020 में सीमा पर तनाव शुरू हुआ।

हरमनप्रीत की टॉप 10 में एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को महिला वनडे प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिर से टॉप-10 बल्लेबाजों की लिस्ट में एंट्री कर ली है। हरमनप्रीत दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से नौवे पर पहुंच गई हैं। उनके फिलहाल 654 रेटिंग अंक हैं। न्यूजीलैंड की कैप्टन सोफी डिवाइन के भी इतने अंक हैं। हरमनप्रीत ने पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में फिफ्टी जड़ी थी। उन्होंने 63 गेंदों में 6 चौकों के जरिए नाबाद 59 रन की पारी खेली। भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की। वहीं भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में शतक लगाया था। उन्होंने 122 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। मंधाना को सेंचुरी लगाने के बावजूद रैंकिंग में फायदा नहीं मिला। वह चौथे स्थान पर ही बरकरार हैं। हालांकि, मंधाना के 25 रेटिंग अंक बढ़े हैं। उनके खाते में अब 728 अंक हो गए हैं। बल्लेबाजों की सूची में टॉप पर इंग्लैंड की साइवर ब्रंट हैं। साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट दूसरे और श्रीलंका की कैप्टन चमारी अटापट्टू तीसरे स्थान पर हैं। बता दें कि, टॉप-10 में सिर्फ दो भारतीय खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड की ब्रूक हैलीडे ने लंबी छलांग लगाई है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर 24वें पर पहुंच गई हैं। उनके 524 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में 96 गेंदों में 86 रन बनाए थे, जिसमें 9 चौके और तीन सिक्स शामिल हैं। वहीं गेंदबाजों की सूची की बात करें तो भारत की दीप्ति शर्मा दूसरे पायदान पर काबिज हैं। तो इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन टॉप पर है। इंग्लैंड की ही केट क्रॉस दूसरे नंबर पर हैं।

विराट कोहली को अनुष्का शर्मा ने किया अनोखे अंदाज में किया विश

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5 नवंबर को भारतीय सलामी बल्लेबाज विराट कोहली अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनकी पत्नी और बॉलीवुड स्टार अनुष्का शर्मा ने उन्हें अनोखे अंदाज में बधाई दी और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की। बता दें कि, इस तस्वीर में विराट के साथ उनका बेटा अकाय और बेटी वामिका नजर आ रहे हैं। जो की लंदन की लग रही है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद टीम इंडिया और सीनियर खिलाड़ियों की हर तरफ आलोचना हो रही है। विराट कोहली का प्रदर्शन भी इस सीरीज में अच्छा नहीं रहा। वह लंबे समय से आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं। जिस कारण वो लगातार ट्रोल हो रहे हैं। लेकिन अनुष्का के द्वारा उनकी अपने बच्चों के साथ तस्वीर ने एक बार फिर फैंस का दिल जीत लिया है। हालांकि, इस तस्वीर में अकाय और वामिका के चेहरे पर पर्पल कलर के हार्ट की इमोजी लगी हुई है। लेकिन फिर भी फैंस उन्हें परफेक्ट फादर बता रहे हैं। विराट को उनके 36वें जन्मदिन पर युवराज सिं, हरभजन सिंह और सुरेश रैना से लेकर रियान पराग ने भी शुभकामनाएं दी हैं। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली इस महीने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कोहली के चाहने वाले उनसे बेहतरिन प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में अच्छा नहीं करते... इस भारतीय दिग्गज ने रोहित शर्मा पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए मुश्किलों से भरी रही। इन दोनों खिलाड़ियों के ना चलने का ही नतीजा रहा है न्यूजीलैंड ने पहले ही टेस्ट में टीम इंडिया को महज 46 के स्कोर पर समेट दिया था। वहीं विराट और रोहित की इस खराब फॉर्म के बीच भारतीय दिग्गज क्रिस श्रीकांत ने बहुत बड़ा बयान दे डाला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की 6 पारियों में 91 रन बनाने वाले रोहित शर्मा को लेकर श्रीकांत का मानना है कि हिटमैन को अब रिटायर हो जाना चाहिए। अपने यूट्यूब शो पर क्रिस श्रीकांत ने भविष्यवाणी करके बताया कि यदि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में अच्छा नहीं करते हैं तो उन्हें टेस्ट क्रिकेट से अलविदा ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि, अब सब सोचने लगे हैं कि रोहित शर्मा अगर ऑस्ट्रेलिया में अच्छा नहीं कर पाए, तो वो शायद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। रोहित ने पहले ही टी20 क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली है और टेस्ट क्रिकेट छोड़ने के बाद वो सिर्फ वनडे मैचों में खेलेंगे। हमें ये भी ध्यान रखना होगा कि उनकी अब उम्र बढ़ रही है वो अब युवा नहीं रहे हैं। वहीं क्रिस श्रीकांत ने रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली को लेकर कहा कि, कोहली ऑस्ट्रेलिया में अच्छा कमबैक करेंगे।

हॉकी इंडिया लीग की वेबसाइट लॉन्च और लीग शेड्यूल का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के 2024-2025 संस्करण के लिए एक समर्पित लीग वेबसाइट लॉन्च की गई और बहुप्रतीक्षित सीज़न के शेड्यूल की घोषणा की गई। 28 दिसंबर को राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में दिल्ली एसजी पाइपर्स और गोनासिका के बीच रोमांचक मैच के साथ शुरू होने वाला एचआईएल का नया संस्करण एक्शन से भरपूर वापसी का वादा करता है।

एचआईएल की नई लॉन्च की गई वेबसाइट - हॉकीइंडियालीगडॉटकॉम- दुनिया भर के प्रशंसकों को लीग की ताज़ा खबरों, मैचों के शेड्यूल, पूरी टीम की सूची और एक्सक्लूसिव वीडियो कंटेंट तक आसान पहुंच प्रदान करती है। एक आकर्षक और इमर्सिव अनुभव देने के लिए डिज़ाइन की गई यह वेबसाइट एचआईएल से जुड़ी सभी चीजों के लिए अंतिम स्रोत होगी, जो प्रशंसकों को खिलाड़ियों और हॉकी के दीवानों को पहले से कहीं ज्यादा खेल के करीब रखेगी।

खिलाड़ियों की व्यापक नीलामी के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें इस प्रतियोगिता के लिए कमर कस रही हैं।

घर पर 3-0 से हारना बहुत मुश्किल है और इसके लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है : सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में तीसरा मैच 25 रन से हारने के बाद न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट सीरीज में 0-3 से मिली हार पर आत्मनिरीक्षण की जरूरत बताई है।

मुंबई में हार के परिणामस्वरूप, रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में अपना शीर्ष स्थान भी खो दिया और नए टेबल-टॉपर्स ऑस्ट्रेलिया के पीछे दूसरे स्थान पर आ गई।

तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, घर पर 3-0 से हारना बहुत मुश्किल है और इसके लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है। क्या यह तैयारी की कमी थी, क्या यह खराब शॉट चयन था, या मैच अभ्यास की कमी थी? शुभमन गिल ने पहली पारी में लचीलापन दिखाया, और ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन किया - उनके फुटवर्क ने चुनौतीपूर्ण सतह को पूरी तरह से अलग बना दिया।वह बस शानदार था। पूरी श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए न्यूजीलैंड को पूरा श्रेय जाता है। भारत में 3-0 से जीतना सबसे अच्छा परिणाम है।

न्यूजीलैंड से हार के बाद पहली बार भारत को घरेलू टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप

का सामना करना पड़ा, 1999/2000 में दक्षिण अफ्रीका की 2-0 की जीत के बाद। यह तीन मैचों की श्रृंखला और उसके बाद घरेलू मैदान पर भारत की पहली 3-0 की क्लीन स्वीप हार भी है।

भारत की श्रृंखला हार का एक बड़ा कारण यह भी रहा कि न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के हाथों गंवाए गए 57 विकेटों में से 37 विकेट स्पिनरों के हाथों गंवाए, जिसकी वजह से मेजबान टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आलोचना की।

सहवाग ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, समर्थकों के तौर पर टीम का समर्थन करना जरूरी है, लेकिन हमारी टीम का प्रदर्शन बहुत खराब रहा। स्पिन खेलने के कौशल में निश्चित रूप से सुधार की जरूरत है और कुछ प्रयोग छोटे प्रारूप के लिए अच्छे हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में सिर्फ दिखावे के लिए कुछ अनावश्यक प्रयोग करना वास्तव में खराब था।टॉम लैथम और उनके खिलाड़ियों को वह करने के लिए बधाई जो हर मेहमान टीम का सपना होता है और कोई भी टीम इस तरह से जीत नहीं सकती।

भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान पठान ने अपने बड़े भाई और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए घरेलू क्रिकेट में लाल गेंद वाले बल्लेबाजों की कमी पर बात की। इरफ़ान ने एक्स पर लिखा, कल मेरी युसुफ पठान भाई के साथ अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने घरेलू क्रिकेट के बारे में एक सही बात कही - हम या तो घास वाली पिचों पर या सपाट ट्रैक पर खेल रहे हैं, लेकिन अब शायद ही कभी टर्निंग सरफेस पर खेलते हैं। साथ ही, शीर्ष खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। यह हमें लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकता है।

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने टेस्ट टीम से घरेलू मैदान पर बेहतर पिचों पर बल्लेबाजी करने का आह्वान किया और उनसे टर्निंग पिचों पर नहीं खेलने का आग्रह किया। टर्निंग पिचें आपकी अपनी दुश्मन बन रही हैं। न्यूज़ीलैंड को बधाई हो। आपने हमें मात दी। कई सालों से कह रहा हूं। टीम इंडिया को बेहतर पिचों पर खेलने की जरूरत है। ये टर्निंग पिचें हर बल्लेबाज को बहुत साधारण बना रही हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा, पहले की पीढ़ी के बल्लेबाज इस तरह की पिचों पर कभी नहीं खेले। ये पिचें 2/3 दिन के टेस्ट मैचों के लिए तैयार की गई हैं। टीमों को आउट करने के लिए, आपको इन पिचों पर मुरली, वॉर्न या साकी की जरूरत नहीं है। कोई भी किसी को भी आउट कर सकता है।%%

भारत के पास 2023-2025 डब्ल्यूटीसी चक्र असाइनमेंट में ऑस्ट्रेलिया में केवल सबसे महत्वपूर्ण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बची है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर से 7 जनवरी, 2025 तक पर्थ, एडिलेड, ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में खेली जाएगी।

रणजी ट्रॉफी के बाद भारतीय विकेटकीपर रिद्धिमान साहा लेंगे क्रिकेट से संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने घोषणा की है कि वे इस साल 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, जिससे उनके 17 साल लंबे करियर का समापन हो जाएगा।साहा फिलहाल बेंगलुरु में कर्नाटक के खिलाफ बंगाल के चौथे राउंड मैच की तैयारी में जुटे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस फैसले की जानकारी दी।

उन्होंने एक्स पर लिखा, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह मेरा आखिरी सीजन होगा। बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए संन्यास लेना मेरे लिए सम्मान की बात है। आइए इस सीजन को खास बनाएं।39 साल के साहा ने 2022-23 में बंगाल टीम के साथ विवाद के कारण टीम से दूरी बना ली थी। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के सचिव देबब्रत दास ने उन पर खेलने से बचने के बहाने बनाने का आरोप लगाया था। लेकिन इस सीजन में साहा ने टीम में वापसी की और रणजी ट्रॉफी के पहले दो मैचों में खेला। साहा ने भारत के लिए 40 टेस्ट खेले हैं, जिनमें उन्होंने 1353 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। लंबे समय तक वह टीम इंडिया के साथ जुड़े रहे, लेकिन ऋषभ पंत के आने से टीम में उनकी जगह बनाना मुश्किल हो गया, हालांकि वह कई बार दूसरे विकेटकीपर के रूप में शामिल होते रहे। साहा ने दिसंबर 2021 में आखिरी बार भारत के लिए खेला था और 2023 में उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज कर दिया गया था। आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले, गुजरात टाइटंस ने उन्हें रिटेन नहीं किया। साहा उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने 2008 से हर सीजन आईपीएल में खेला है। उन्होंने पहले सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के लिए भी खेला है।

भारत ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए औपचारिक रूप से आशय पत्र भेजा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को खेल महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 1 अक्टूबर को भावी मेजबान आयोग, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को औपचारिक रूप से आशय पत्र भेजा है, जिसमें 2036 में ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की रुचि व्यक्त की गई है। सूत्रों ने आईएएनएस को यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा, भारत में 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण ने एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। सूत्र ने कहा, यह महत्वपूर्ण अवसर देश भर में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए पर्याप्त लाभ ला सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर 2036

ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी में भारत की रुचि व्यक्त की है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर पेरिस ओलंपिक के खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे 2036 में होने वाले इस भव्य आयोजन की तैयारियों के लिए अपने सुझाव देने को कहा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इस संबंध में, पिछले ओलंपिक में खेल चुके खिलाड़ियों से मिले सुझाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। आप सभी ने कई चीजों को देखा और अनुभव किया होगा। हम इसे दस्तावेज में दर्ज करना चाहते हैं और सरकार के साथ साझा करना चाहते हैं, ताकि 2036 की तैयारी में हम कोई छोटी-मोटी जानकारी न चूकें।

पिछले साल मुंबई में आयोजित 141वें आईओसी सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी में भारत की रुचि की पुष्टि की थी और दावा किया था कि 140 करोड़ भारतीय इन खेलों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा था, हम वर्ष 2036 में भारतीय धरती पर ओलंपिक आयोजित करने के अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह 140 करोड़ भारतीयों का सदियों पुराना सपना और आकांक्षा है। इस सपने को आपके सहयोग और समर्थन से साकार करना है।

आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने भी भारत के मामले का समर्थन करते हुए दावा किया था कि भारत के लिए ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का मजबूत मामला है। भारत उन 10 देशों में शामिल है, जिन्होंने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में रुचि दिखाई है। नवंबर 2022 में, आईओसी ने भारत सहित उन देशों के साथ चर्चा शुरू की, जिन्होंने रुचि दिखाई है।

ऐतिहासिक सफलता के पीछे न्यूजीलैंड की अनुकूलन क्षमता : एजाज पटेल

मुंबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने भारत को 3-0 से ऐतिहासिक रूप से हराया, जिसमें टीम ने विभिन्न प्रकार की चुनौतियों पर विजय प्राप्त की। उनमें से सबसे बड़ी बाधा पिचों की प्रकृति थी, जिसमें बेंगलुरु, पुणे और मुंबई में टीमों के लिए अलग-अलग परिस्थितियां थीं।

पहले टेस्ट के लिए पिच में मौसम की बड़ी भूमिका थी और न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत को हराने के लिए तेज़ गति के अनुकूल परिस्थितियों का भरपूर लाभ उठाया, जिसने अनिवार्य रूप से खेल को अपने पक्ष में कर लिया। पुणे का विकेट, हालांकि स्पिन के लिए सहायक था, धीमा था और धीमे गेंदबाजों को इसे फिर से समायोजित करने की आवश्यकता थी। फिर से, मेहमान टीम ने परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझा और मिशेल सेंटनर की अगुआई में उनके स्पिनरों ने भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की पहली सीरीज जीत की नींव रखी। फिर मुंबई आया और इस बार एजाज

पटेल ने परिचित परिस्थितियों में गेंदबाजी की, क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड को ऋषभ पंत की चुनौती से पार पाने में मदद की और भारत में वाइटवॉश (न्यूनतम 3 टेस्ट) हासिल करने वाली पहली टीम बन गई। जूम कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात करते हुए, एजाज ने न्यूजीलैंड के सामने आने वाली विभिन्न परिस्थितियों और चुनौती का सामना करने के लिए उनकी तैयारियों पर प्रकाश डाला। तीन अलग-अलग सतहें और तीन अलग-अलग मैच रहे हैं, और मुझे लगता है कि हम अच्छी तरह से जानते हैं कि एशिया जाने की चुनौतियों में से एक यह है कि परिस्थितियां हर समय बदलती रहती हैं और आपको अनुकूल होना पड़ता है और मैच के भीतर भी परिस्थितियां बहुत तेज़ी से बदलती हैं। मेरा मतलब है कि इस मुंबई टेस्ट में भी मैं गेंदबाजी कर रहा था...मुझे लगता है कि पहली पारी में और मुझे लगा कि मैं वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूँ, लेकिन विकेट वास्तव में टर्न नहीं कर रहा था और फिर मैं लंच के बाद वापस आया और अचानक सब कुछ होने लगा।

एजाज, जिन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड ने उपमहाद्वीप में विभिन्न पिचों का सामना करने के लिए अपने घर पर अच्छी तैयारी की थी

ने कहा, तो मुझे लगता है कि जब आप उपमहाद्वीप में आते हैं तो यह उस कौशल सेट और उस सीमा के बारे में होता है, चाहे वह 90 के दशक में गेंदबाजी करना हो या 80 के दशक में गेंदबाजी करना हो और शुरू से ही उन सीमाओं में अनुकूलन करने में सक्षम होना। यह सतह को जल्दी से पढ़ने के बारे में भी है क्योंकि जैसा कि मैंने कहा कि परिस्थितियां निरंतर (दर) से बदलती हैं। कभी-कभी सुबह की परिस्थितियां मध्य सत्र की परिस्थितियों से बहुत अलग हो सकती हैं और इसलिए एक स्पिनर के रूप में यह जानना जरूरी है कि इसका अधिकतम लाभ कैसे उठाया जाए, अपनी गति कैसे बदली जाए, गेंद को आकार में रखते हुए कैसे ऊपर-नीचे किया जाए।

ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन संभाग की लाइफलाइन बनेगी : कमिश्नर

रेलवे लाइन निर्माण से जुड़े सभी कार्य तय समय सीमा में पूरे करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाइन की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि यह रेलवे लाइन रीवा संभाग के सभी प्रमुख जिलों से गुजर रही है। इसका निर्माण पूरा होने पर यह संभाग की लाइफलाइन बनेगी। इससे पूरे क्षेत्र में औद्योगीकरण तथा आर्थिक विकास में गति आएगी।

संभाग में बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा। पन्ना से सिंगरौली तक निर्माणाधीन इस रेलवे परियोजना की सभी बाधाएं दूर करके इसके निर्माण से जुड़े सभी कार्य तय समय सीमा में पूरे करें। कलेक्टर जमीन के अधिग्रहण के छूटे हुए प्रस्तावों का निराकरण करके पात्र किसानों को मुआवजे का वितरण कराएं। कलेक्टर हर सप्ताह कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बैठक में कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल, कलेक्टर सीधी स्वरोचिष सोमवंशी, डीएफओ सीधी, पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रवीन्द्र वर्मा तथा रेलवे के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारी इसमें शामिल हुए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि रीवा से गोविंदगढ़ तक रेलवे लाइन का कार्य पूरा हो गया है। गोविंदगढ़ से चुरहट तक रेलवे लाइन निर्माण के लिए जमीनों का अधिग्रहण करके रेलवे को आधिपत्य दे दिया गया है। इसमें तेजी से निर्माण कार्य कराएं। चुरहट से सीधी के बीच में छूटे हुए खसरा नम्बरों के पूरक प्रस्ताव पारित कराकर कलेक्टर भू अर्जन की कार्यवाही पूरी करें।

सीधी में ग्राम नौढ़िया, बधरी कोठार, गाड़ा बबन सिंह, गाड़ा लोलर सिंह सहित सभी गांवों में छूटी हुई जमीनों तथा परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण की कार्यवाही एक माह में पूरी कराएं। कमिश्नर ने बरही से देवसर तक रेलवे लाइन निर्माण में भू अर्जन में देरी पर एसडीएम चितरंगी को फटकार लगाई। कमिश्नर ने कहा कि रेलवे लाइन निर्माण से जुड़े भू अर्जन के प्रकरणों में एक दिन की भी देरी न करें। रेलवे द्वारा अधिग्रहीत जमीन पर यदि निर्माण कार्यों में बाधा डाली जाती है तो पुलिस अधीक्षक कड़ी कार्यवाही करें। बैठक में सतना, सीधी तथा सिंगरौली जिले के कलेक्टर्स ने रेलवे परियोजना की प्रगति की ग्रामवार जानकारी प्रस्तुत की।

खाद का संकट गहराया : सुबह से लाइन में लगे किसान, टोकन तक नहीं मिला, डीएमओ बोलीं - डीएपी की डिमांड लेकिन स्टॉक नहीं

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। खेती किसानी सीजन में खाद का संकट एक बार फिर गहरा गया है। सतना में किसान खाद के लिए परेशान हैं लेकिन सुबह से लाइन में लगने के बावजूद खाद तो दूर उन्हें टोकन तक नहीं मिल पा रहा है। मार्कफेड के अफसर भी स्टॉक की कमी का हवाला देकर पल्ला झाड़ रहे हैं नतीजतन विवाद के हालात भी बन रहे हैं।

मध्य प्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ की शेरगंज स्थित शाखा में मंगलवार को खाद के लिए हंगामा हो गया। यहां सुबह 4 बजे से किसान खाद और टोकन के लिए लाइन लगा कर खड़े हो गए थे लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी, नतीजतन किसानों का गुस्सा भड़क उठा। किसानों का कहना था कि वे कल यानी सोमवार को भी आए थे, तब उन्हें आज आने के लिए कहा गया था। वे सुबह से लाइन लगा कर खड़े हो गए लेकिन खाद तो दूर टोकन तक नहीं दिया जा रहा। खिड़की नहीं खोली जा रही। हालांकि सेंटर पर कुछ किसानों को खाद दी जा रही थी लेकिन वो वही किसान थे जिन्हें सोमवार को टोकन दे दिए गए थे।

डीएमओ-एसडीएम पहुंचे: शेरगंज में तमाम किसानों की मौजूदगी और हंगामे की जानकारी मिलने पर डीएमओ रेखा तिवारी वहां पहुंची। कुछ ही देर में एसडीएम रघुराजनगर राहुल सिलाड़िया और सिविल लाइन टीआई योगेंद्र सिंह भी शेरगंज पहुंच गए। एसडीएम ने स्थिति की जानकारी लेते हुए किसानों तथा डीएमओ से बात की।

डीएमओ बोले- मांग के मुकाबले स्टॉक नहीं: खाद की किल्लत और किसानों के आक्रोश के बीच डीएमओ रेखा तिवारी ने एसडीएम को बताया कि किसान डीएपी 18-46 की मांग कर रहे हैं लेकिन मांग के मुकाबले स्टॉक नहीं है। जितना स्टॉक था उसके हिसाब से टोकन वितरण कराकर खाद दी जा रही है। डीएपी की पूर्ति अपेक्षाकृत कम है, उसके एवज में 20-20-13 तथा एनपीके उपलब्ध कराई गई थी लेकिन किसान उनके प्रति कम जागरूक हैं। यह समस्या अकेले सतना में नहीं बल्कि प्रदेश स्तर पर है। इस संबंध में शासन स्तर पर चर्चा कर प्रयास किए जा रहे हैं।

मैहर जिले में 33 आवेदनों पर हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्टर रानी बाटड के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मंगलवार को जनसुनवाई में अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 33 आवेदकों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

इस मौके पर एसडीएम विकास सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीप फ्रीजर में गैस भरते समय सिलेंडर फटा

सर्विस सेंटर का कर्मचारी 70 फीसदी जला

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना में मंगलवार को सिलेंडर फटने से सिरमौर निवासी एक युवक झुलस कर करीब 70 प्रतिशत जल गया। उसे गंभीर हालत में रीवा के संजय गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया। घटना सतना के वोल्टास सर्विस सेंटर में हुई।

घटना के बारे में घायल सुनील कुशवाहा के परिजन ने बताया, वह वोल्टास के सर्विस सेंटर में काम करता है। फ्रिज के डीप फ्रीजर में गैस भर रह था, तभी धमाका हुआ, जिसकी चपेट में आ गया था। वह मूल रूप से रीवा का रहने वाला है। उसे पहले प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे रीवा रेफर किया गया। हालत फिलहाल गंभीर बनी है।

पुलिस ने घायल के बयान लिए हैं।

जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, बाउंड्री गिराई, गाड़ी में भी की तोड़फोड़

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिले के चित्रकूट में जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हुआ। एक पक्ष ने बाउंड्री तोड़ी तो दूसरे पक्ष ने पथराव कर कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान सड़क पर लट्ठ लहराए और पत्थर भी चले।

जानकारी के मुताबिक, चित्रकूट में हनुमान धारा मार्ग पर एक जमीन पर कब्जे को लेकर मंगलवार को दो गुटों के बीच हुए विवाद से अफरा-तफरी मच गई। यह झगड़ा यूपी के बांदा जिला अंतर्गत बबेरू निवासी हरि नारायण सिंह और चित्रकूट के कामदगिरि मंदिर के महंत राम स्वरूपाचार्य के भाई मदनगोपाल दास के बीच हुआ।

मदनगोपाल दास के लोगों ने हरि नारायण सिंह की बाउंड्री तोड़ दी और वहां लगे खम्भे उखाड़ फेंके। जवाब में हरिनारायण सिंह के लोगों ने भी लट्ठ भांजे और पथराव किया। सड़क पर लाठियां लेकर दौड़ रहे लोगों ने मदन गोपाल दास की स्कॉर्पियो को भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। इस विवाद के कारण हनुमान धारा मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। आसपास रहने वाले लोग दहशतजदा हो गए। घटना की शिकायत चित्रकूट थाना पुलिस तक भी पहुंची है।

जमीन पर है अदालत का स्टे: बताया जाता है कि मदन गोपाल ने हनुमान धारा मार्ग पर एक जमीन खरीदी है। उसी के बगल में हरिनारायण सिंह की भी जमीन है। उसे लेकर भी मामला अदालत तक गया था, जहां से हरिनारायण के पक्ष में फैसला हुआ था। मदनगोपाल दास की जमीन हरिनारायण की जमीन के कारण कुछ टेढ़ी हो रही है। अपनी जमीन को सीधा करने के लिए मदनगोपाल दास चाहते हैं कि कोने का हिस्सा उन्हें मिल जाए लेकिन बात बन नही पा रही। सोमवार को भी विवाद हुआ तो मामला नायब तहसीलदार तथा थाने तक पहुंचा था।

पटवारी - आरआई से जांच के बाद नायब तहसीलदार ने यथा स्थिति बनाये रखने का आदेश दिया था। लेकिन इसके बाद भी वहां गुंडागर्दी करते हुए गुर्गो के दम पर कब्जे का खेल शुरू हो गया।

कमिश्नर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

अधिकारी स्कूल और आंगनवाड़ी केन्द्रों का अनिवार्य रूप से करें निरीक्षण, समाधान ऑनलाइन में लंबित प्रकरणों को करें निराकृत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि पूर्व में दिए गए निर्देश का पालन करते हुए सभी अधिकारी क्षेत्र का नियमित रूप से भ्रमण कर विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करें। भ्रमण के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र तथा स्कूलों का निरीक्षण कर उनके व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी लेकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण करें। लंबित प्रकरणों के निराकरण का संबंधित विभाग को साप्ताहिक लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति न होने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी जन सुनवाई में उपस्थित होकर आमजनता के आवेदनों का तत्परता से निराकरण करें। संभाग के सभी जिलों में विकासखण्ड स्तर पर शीघ्र ही लोक कल्याण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसमें भी सभी संभागीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। शिविर में आमजनता से प्राप्त आवेदनों का मौके पर निराकरण करने के साथ विभागीय योजनाओं की जानकारी भी आमजनता तक पहुंचाएं। सभी अधिकारी विभाग की उपलब्धियों का जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। मुख्यमंत्री जी के एक वर्ष के कार्यकाल की विभागीय उपलब्धियों की जानकारी संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय तथा जिला जनसम्पर्क कार्यालयों को 10 नवम्बर तक फोटोग्राफ सहित अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अधीक्षण यंत्री पीएचई पूरे संभाग में बिगड़े हैण्डपंपों के सुधार का अभियान चलाएं। इसके प्रगति की जानकारी हर सप्ताह प्रस्तुत करें। कार्य में लापरवाही बरतने वाले हैण्डपंप मैकेनिकों पर कार्यवाही करें। उपायुक्त आदिमजाति कल्याण विभाग सभी जिलों में छात्रवृत्ति प्रकरणों के निराकरण के लिए बैठकें आयोजित करें। इनमें पिछड़ावर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, छात्रवृत्ति के नोडल अधिकारी तथा प्राचार्यों को शामिल करके कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कराएं। हर पात्र विद्यार्थी को छात्रवृत्ति का अनिवार्य रूप से भुगतान सुनिश्चित करें। अधीक्षण यंत्री एनएचआई तथा मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम बेला में दोनों राष्ट्रीय राजमार्गों के जुड़ने के स्थल की सड़क में सुधार कराएं। संयुक्त संचालक कृषि सभी जिलों में कृषि तथा उससे जुड़े विभागों की समन्वय बैठक आयोजित करें।

जनसुनवाई में 56 प्रकरणों की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार को जनसुनवाई में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे एवं डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्यायें सुनी। जनसुनवाई में 56 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

एक दिवसीय अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन 11 नवम्बर को

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासकीय आईटीआई प्राचार्य ने बताया कि कौशल विकास संचालनालय, मध्यप्रदेश के तत्वाधान में 11 नवम्बर को प्रातः 9.30 बजे शासकीय आईटीआई सतना में एक दिवसीय अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया जायेगा। जिसमें महिला एवं पुरूष बेरोजगार आवेदक जो निर्धारित योग्यता पूरी करते हैं, अपने मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपनी योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में कंपनी एमआरएफटायर अप्रेन्टिसशिप जॉब के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं ग्रेजुएट आईटीआई एनसीवीटी एवं एससीवीटी उत्तीर्ण पुरूष अभ्यर्थी, कंपनी टाटा मोटर्स में अप्रेन्टिसशिप जॉब के लिए शैक्षणिक योग्यता 2 साल ट्रेड आईटीआई एनसीवीटी एवं एससीवीटी उत्तीर्ण महिला एवं पुरूष अभ्यर्थी, कंपनी आर्म्स ग्रुप एवं कंपनी स्पंदना ग्रुप में जॉब के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं ग्रेजुएट आईटीआई एनसीवीटी एवं एससीवीटी उत्तीर्ण पुरूष अभ्यर्थी शामिल हो सकते है। इसी प्रकार कंपनी इंफीनिटी कैरियर सोल्यूशन जॉब प्लेसमेंट कंपनी में जाब के लिए शैक्षणिक योग्यता डिप्लोमा, ग्रेजुएट, आईटीआई एनसीवीटी एवं एससीवीटी उत्तीर्ण पुरूष अभ्यर्थी तथा उम्र 18 से 28 वर्ष तक के उम्मीदवार शामिल हो सकते हैं। उम्मीदवारों को अपने साथ तीन प्रतियों में अपना बायोडाटा, आधार कार्ड, बैंक खाता, पासपोर्ट फोटो एवं शैक्षणिक योग्यता से संबंधित दस्तावेज साथ में लाना अनिवार्य है। भर्ती कंपनी द्वारा अपनी शर्तो पर की जायेगी। अप्रेन्टिसशिप मेला में शामिल होने के लिए आनलाइन ीजजचरूध्ध्वितउेण्हसमध्दूभ्वरब4ज्दौच्तरग5 पर समस्त पात्र आवेदक पंजीयन कर सकते हैं।

सभी पैक्स और निजी दुकानों में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता

2122 एमटी एनपीकेएस और 1102 एमटी डीएपी जिले में मौजूद

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रबी मौसम की फसलों के लिए जिले में किसानों को पर्यात मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने किसानों को उर्वरकों की आपूर्ति के लिए एसडीएम सतना सिटी राहुल सिलाडिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा उप संचालक कृषि मनोज कश्यप् एवं कृषि विभाग के अधिकारी उर्वरकों के समुचित वितरण पर मानीटरिंग कर रहे हैं।

एसडीएम राहुल सिलाडिया ने बताया कि सतना और मैहर जिले की मार्कफेड के डबल लॉक केन्द्र, थोक एवं फुटकर खाद के निजी विक्रेता और पैक्स समितियों में डीएपी और एनपीकेएस मौजूद है। मंगलवार 5 नवम्बर की स्थिति में जिले में 2122.350 मेट्रिक टन एनपीकेएस और 744.925 एमटी डीएपी खाद मौजूद है। इसके अनुसार एनपीकेएस उर्वरक में 6 डबल लॉक केन्द्रों में 354.350 एमटी, प्राइवेट 9 थोक विक्रेताओं के पास 564.750 एमटी इस प्रकार थोक विक्रय में 919.100 एमटीएनपीकेएस उपलब्ध है। वही फुटकर विक्रेताओं में मार्कफेड के 6 विक्रय केन्द्रों पर 110 एमटी, 69 पैक्स समितियों में 306.750 एमटी और 107 प्राइवेट विक्रेताओं के पास 786.300 एमटी उर्वरक मिलाकर 1203.250 एमटी एनपीकेएस उपलब्ध है।

इसी प्रकार सतना और मैहर जिले के डीएमओ के 3 विक्रय केन्द्रों पर 238.350 एमटी डीएपी, 3 प्राइवेट थोक विक्रेताओं के यहां 118.150 एमटी मिलाकर 357.150 एमटी डीएपी उपलब्ध रही। रिटेलर विक्रेताओं में डीएमओ के 5 केन्द्रों पर 139 एमटी, 24 पैक्स समितियों में 141 एमटी, प्राइवेट 86 विक्रेताओं के पास 464.175 एमटी मिलाकर 744.925 एमटी डीएपी उर्वरक उपलब्ध है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में 9135 मे. टन यूरिया की उपलब्धता है जबकि 9296 एमटी यूरिया का वितरण किया जा चुका है। सतना और मैहर जिले में अब तक रबी सीजन के लिए 20020 मे. टन उर्वरक वितरण किया जा चुका है जबकि 9671 एमटी उर्वरक अभी बचत में उपलब्ध है।

नागौद के आठ बच्चों ने राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वामी विवेकानंद आवासीय योग शोध संस्थान नागौद के आठ बच्चों ने राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता हिमाचल प्रदेश , ऊना ,में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया एवं पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया। उल्लेखनीय की मनोज प्रताप सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन ,मध्य प्रदेश ,के नेतृत्व में अदिति राजपूत, प्रतिष्ठा विश्वकर्मा,वैष्णवी सिंह, अनन्या विश्वकर्मा, स्वरांजली कुशवाह,ओम प्रताप सिंह, वैभव सिंह, अंशुमन गुप्ता ने अपने आसनों की शानदार प्रस्तुति दी। उपरोत सफलता पर लक्ष्मी यादव, पुष्पराज सिंह, विजय पाल सिंह, शशी सिंह, अर्चना सिंह, संजीव श्रीवास्तव अतुल उपाध्याय विजय बर्मन कन्हैया राजपूत, सुरेंद्र कुमार आप सभी ने बच्चों को शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वरुण गूजर ने खाद की किल्लत को लेकर मंत्री पर साधा निशाना

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। किसानों के हित के लिए कांग्रेस जनप्रतिनिधि वरुण गूजर ने उठाई आवाज,वरुण गूजर ने नागौद में खाद की किल्लत को लेकर राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के ऊपर साधा निशाना,वरुण गूजर ने कहा कि राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी दुकानों में जलेबी बनाने की जगह खाद गोदामों का निरीक्षण कर किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद की पूर्ति करवाती तो अच्छा होता। इतना ही नहीं आज सैकड़ो किसान खाद गोदाम के बाहर खाद की किल्लत को लेकर परेशान नजर न आते।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।